राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 24 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–273 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूरोप तक जाने वाले IIMEC कॉरिडोर पर जंग के बीच ही काम शुरू, भारत दे रहा है 3.5 लाख करोड़

फिलहाल पश्चिम एशिया में इजरायल और हमास के बीच जंग से हालात बिगड़े हुए हैं तो वहीं भारत, अमेरिका और सऊदी अरब जैसे देश इन्फ्रास्ट्रक्चर के सेक्टर में नई मिसाल कायम करने में जुटे हैं।

नई दिल्ली। एक तरफ पश्चिम एशिया में इजरायल और हमास के बीच जंग से हालात बिगड़े हुए हैं तो वहीं भारत, अमेरिका और सऊदी अरब जैसे देश इन्फ्रास्ट्रक्चर के सेक्टर में नई मिसाल कायम करने में जुटे हैं। भारत में जी-20 देशों की मीटिंग के दौरान इंडिया मिडल ईस्ट यूरोप इकनॉमिक कॉरिडोर को लेकर सहमति बनी थी। इसके मुख्य प्लेयर भारत, यूएई, सऊदी और अमेरिका माने जा रहे हैं। इन सभी देशों ने इस कॉरिडोर पर काम शुरू कर दिया है और भारत ने भी पश्चिमी तटों को रेलवे से जोड़ने के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपये का बजट तय कर दिया है। इसके जरिए देश के पश्चिमी तटों पर स्थित बंदरगाहों को रेलवे के जरिए जोड़ा जाएगा। इसके तहत यह प्लान है कि देश के किसी भी हिस्से से 36 घंटों के अंदर यहां माल पहुंच जाए और फिर उसे यूरोप तक इस गलियारे से पहुंचाया जाए। दरअसल पश्चिमी तटों पर माल पहुंचने के बाद उसे जहाज के जरिए यूएई के फुजैरा पहुंचाया जाएगा।

● इन सभी देशों ने इस कॉरिडोर पर काम शुरू कर दिया है और भारत ने भी पश्चिमी तटों को रेलवे से जोड़ने के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपये का बजट तय कर दिया है। इसके जरिए देश के पश्चिमी तटों पर स्थित बंदरगाहों को रेलवे के जरिए जोड़ा जाएगा। इसके तहत यह प्लान है कि देश के किसी भी हिस्से से 36 घंटों के अंदर यहां माल पहुंच जाए और फिर उसे यूरोप तक इस गलियारे से पहुंचाया जाए।

फिर उन्हें ट्रेन से इजरायल के हाइफा रवाना किया जाएगा। माल के हाइफा पहुंचने के बाद उसे इटली के रास्ते यूरोप के अन्य देशों तक भेजा जाएगा। इटली के बाद फ्रांस और यूके तक सामान भेजा जा सकेगा। अमेरिका पहले ही इस गठबंधन का हिस्सा है।

यही नहीं ग्रीस और उत्तर अफ्रीका के देशों के बंदरगाहों में भी ट्रैफिक बढ़ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी पिछले सप्ताह कहा था कि हमारे लिए यह प्रोजेक्ट अहम है। उन्होंने कहा, मिडल ईस्ट के लिए बेहतर भविष्य तैयार करने को अमेरिका और उसके साझीदार प्रतिबद्ध हैं। इस कॉरिडोर के जरिए दुनिया की टॉप अर्थव्यवस्थाएं जुड़ सकेंगी। इससे रोजागार बढ़ेगा, खर्मच में कमी होगी। इसके अलावा जब कनेक्टिविटी आपस में बढ़ जाएगी तो फिर युद्ध भी कम होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इससे मिडल ईस्ट को फायदा होगा तो अमेरिका के लिए भी बेहतर रहेगा।

बालोतरा में होगा लोकसभा क्षेत्र स्तरीय 'सांसद गरबा प्रतियोगिता' का आयोजन

बाड़मेर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी इस बार 26 अक्टूबर को बाड़मेर जिले के बालोतरा में बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा क्षेत्र स्तरीय सांसद गरबा प्रतियोगिता महोत्सव का आयोजन करेंगे। चौधरी ने बताया कि 26 अक्टूबर को शाम छह बजे महात्मा ज्योतिबा फुले स्टेडियम हाउसिंग बोर्ड बालोतरा के मैदान में सांसद गरबा प्रतियोगिता महोत्सव का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में संसदीय क्षेत्र बाड़मेर-जैसलमेर के विभिन्न स्थानों से गरबा टीमें अपना रजिस्ट्रेशन करवा कर भाग लेगी। गरबा प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से तैयारियां की जा रही है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाली गरबा टीम को एक लाख, द्वितीय स्थान पर रहने वाली टीम को 51 हजार तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 31 हजार की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी। इसके साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी गरबा टीमों को 2200 का सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा। चौधरी ने भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ तैयारी बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने रविवार शाम को गरबा महोत्सव के आयोजन स्थल का निरीक्षण करते हुए जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि पावन पर्व नवरात्रि के दौरान स्थानीय स्तर पर गरबा कार्यक्रमों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए संसदीय क्षेत्र स्तर की गरबा प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह संसदीय क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं आमजन के हर सुख दुख में भागीदार रहने को लेकर हरसंभव प्रयासरत हैं । नवरात्रों के दौरान संपन्न होने वाले गरबा कार्यक्रम अब पूरे देश की शान बन चुके हैं। हर वर्ग एवं उम्र के लोग पूरे उत्साह के साथ इसमें सम्मिलित होते हैं। उन्होंने क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं आमजन से अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह भी किया।

अग्निवीर गावटे को मिलेगी किसी भी अन्य सैनिक की तरह पूरी सम्मान निधि-सेना

नई दिल्ली। भारतीय सेना में ऑपरेटर के तौर पर तैनात अग्निवीर गावटे अक्षय लक्ष्मण के बलिदान के मामले में सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे भ्रम को देखते हुए एक स्पष्ट बयान जारी किया है। इसमें भारतीय सेना की ओर से कहा गया है, 'अग्निवीर (ऑपरेटर) गावटे अक्षय लक्ष्मण सियाचिन में कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। दुख की इस घड़ी में भारतीय सेना शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। मृतक के परिजनों को वित्तीय सहायता के संबंध में सोशल मीडिया पर परस्पर विरोधी संदेशों को देखते हुए, यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि परिजनों को मिलने वाली परिलब्धियां सैनिक की सेवा के प्रासंगिक नियमों और शर्तों द्वारा शासित होती हैं।'

सेना ने गावटे के बलिदान के मद्देनजर स्पष्ट किया, 'अग्निवीरों की नियुक्ति की शर्तों के अनुसार, मृत युद्ध हताहत के लिए अधिकृत परिलब्धियों में शामिल होंगे- एक गैर-अंशदायी बीमा राशि, जो कि 48 लाख रुपये है। सेवा निधि में अग्निवीर का योगदान, सरकार द्वारा समान योगदान और उस पर ब्याज के साथ। कुल मिलाकर 44 लाख रुपये की अनुग्रह राशि। मृत्यु की तारीख से चार साल पूरे होने तक शेष कार्यकाल का भुगतान (गावटे के विषय में 13 लाख रुपये से अधिक)। सशस्त्र बल युद्ध हताहत कोष से 8 लाख रुपये का योगदान। साथ ही आवा (आर्मी वुमन वेलफेयर एसोशिएसन) की ओर से 30 हजार रुपये की तत्काल वित्तीय सहायता।'

सेना ने इससे पहले आत्महत्या करने वाले पंजाब के अमृतपाल के मामले की तरह ही सोशल मीडिया पर गावटे के बलिदान पर भी भ्रम फैलाए जाने की कोशिश को

देखते हुए बयान जारी कर सारी स्थिति स्पष्ट कर दी। बड़ी बात यह कि सोशल मीडिया पर अनजान लोग ही नहीं बल्कि राहुल गांधी सरीखे नेता भी ट्वीट कर यह प्रचारित करने में लगे थे कि सेना अग्निवीर योजना में भर्ती होने वाले सैनिकों के साथ भेदभाव कर रही है और उन्हें उचित सम्मान और देय नहीं मिल रहा है। भारतीय सेना ने अधिकृत बयान जारी कर इस दुष्प्रचार पर स्थिति साफ कर दी है और यह भी स्पष्ट कर दिया है कि सेना में भर्ती किसी भी रूप में हुई हो, बलिदान होने पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का जेएनयू में निकाला गया पथ संचलन

राष्ट्र भक्ति के उद्घोष से गूंज उठा परिसर

नई दिल्ली। वामपंथ के गढ कहे जाने वाले जेएनयू (जवाहर लाल विश्वविद्यालय) परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने पथ संचलन निकाला है। स्वयंसेवकों के पथ संचलन के दौरान जमकर लगे 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे। पथ संचलन में जेएनयू के विभिन्न केन्द्रों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी स्वयंसेवक सहभागी रहे। उल्लेखनीय है कि विजयादशमी के दिन वर्ष 1925 में संघ की स्थापना हुई थी। संघ की स्थापना को इस वर्ष 98 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसी उपलक्ष्य में संघ के स्वयंसेवकों के आज (रविवार) देर शाम जेएनयू कैंपस के भीतर पथ संचलन का आयोजन किया। पूर्ण गणवेश में घोष (संघ का अधिकृत बैंड) की धुन पर राष्ट्रभक्ति के गीत गाते स्वयंसेवकों ने पूरे जेएनयू परिसर की परिक्रमा की। हालांकि वामपंथी छात्र संगठन आइसा ने एक बयान जारी कर परिसर के भीतर संघ के पथ संचलन को

लेकर विरोध प्रकट किया है। उसका कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर के भीतर संघ की शाखा या उसके प्रदर्शन की अनुमति देकर गलत काम किया है। वहीं आइसा के विरोध पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने प्रतिक्रिया दी है कि वामपंथी छात्र संगठन का विरोध बेमानी है और उसका कोई अर्थ नहीं है। अभाविप का कहना है कि यह पथ संचलन इस कैंपस में रहकर पढ़ रहे संघ के स्वयंसेवकों का था और इसमें कहीं से भी किसी का अहित नहीं होता है। विद्यार्थी परिषद की ओर से कहा गया कि एक समय था जब वामपंथ के इस गढ़ में संघ की शाखा आदि लगाने पर हिंसक हमले किए जाते थे। कैंपस के बाहर से लोगों को बुलाकर 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' के नारे लगावाए जाते थे। यहां तक कि छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले में सुरक्षा बलों के बलिदान पर कुछ लोग जश्न मनाते थे। उन्हें समझ लेना चाहिए कि वह दौर बीत गया। यह नया भारत है और वह भारतीयता के मूल्यों पर चलता है।

ऑपरेशन अजय: 143 लोगों को लेकर भारत पहुंचा विशेष विमान

दल में दो नेपाली नागरिक भी शामिल

नई दिल्ली। इजरायल और हमास में बीच जारी संघर्ष के बीच इजरायल में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए चलाया गया 'ऑपरेशन अजय' जारी है। इसी क्रम में आज रविवार रात को ऑपरेशन अजय के तहत छठा विमान नई दिल्ली में उतरा। इस विमान में कुल दो नेपाली नागरिक और चार शिशुओं समेत 143 नागरिकों को इजरायल से भारत लाया गया। हवाई अड्डे पर इस्पात और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने सभी का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर छठे विमान के राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लैंडिग की पुष्टि की। बागची ने पोस्ट में लिखा, छठी ऑपरेशन अजय उड़ान नई दिल्ली में उतरी। उड़ान में 2 नेपाली नागरिकों सहित 143 यात्री पहुंचे। हवाई अड्डे पर इस्पात और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने उनका स्वागत किया।

वहीं, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं (इज़राइल से आने वाले) सभी का स्वागत करने के लिए यहां मौजूद हूं... मुझे खुशी है कि मुझे उनका स्वागत करने का अवसर मिला... उन्होंने आगे कहा कि वो सरकार की तरफ से लोगों का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर हैं। वो डरे और सहमे लोगों को ढांढस बंधाने के लिए यहां आए हैं कि अब वो सुरक्षित हैं। देशवासियों की सुरक्षित वापसी से मन काफी गर्वित है।

12 अक्टूबर को शुरू हुआ था ऑपरेशन अजय

ये विशेष उड़ानें उन भारतीय नागरिकों की वापसी की सुविधा के लिए 12 अक्टूबर को शुरू किए गए ऑपरेशन अजय का हिस्सा हैं, जो इजरायल में हमास के हमले के बाद अपने घर वापस लौटना चाहते हैं। बता दें कि आज दिल्ली पहुंचे छठे विमान से पहले पांच विशेष विमान से कुल 1200 लोगों को इजरायल से भारत लाया जा चुका है। वहीं छठे विमान की लैंडिंग के बाद यह आंकड़ा 1343 हो गया है।

आपराधिक कानूनों के बदले तीन नए बिलों को अंगीकार करेगी संसदीय समिति

27 अक्टूबर को करेगी बैठक

नई दिल्ली। गृह मामलों की स्थायी संसदीय समिति इसी हफ्ते 27 अक्टूबर को भारतीय दंड संहिता, सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम के तीन आपराधिक कानूनों को हटाने पर बैठक करेगी। इस दिन उनके स्थान पर तीन नए बिलों भारतीय न्याय संहिता-2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य बिल को अंगीकार किया जाएगा। नई दिल्ली के पीएचए-एक्सटेंशन के कमरा नंबर-2 में 27 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे यह बैठक होगी।

मसौदा रिपोर्ट पर किया जाएगा विचार

इस अवसर पर भारतीय न्याय संहिता-2023 की 246 मसौदा रिपोर्ट, भारतीय

● ब्रिटिशकाल के इन कानूनों का मकसद न्याय देना नहीं बल्कि अपने शासन की रक्षा के लिए लोगों को दंडित करना था। लेकिन अब सरकार इन मूलभूत पहलुओं में बदलाव कर रही है।

नागरिक सुरक्षा संहिता 247 मसौदा रिपोर्ट और भारतीय साक्ष्य विधेयक-2023 की 248 मसौदा रिपोर्ट पर विचार कर उसे अंगीकार किया जाएगा। संसदीय समिति ने तीन महीने तक इन तीनों विधेयकों की समीक्षा की और विधि आयोग समेत विभिन्न विशेषज्ञों से 11 बैठकों के दौरान राय ली गई है। इन तीनों विधेयकों को विगत 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया था।

नागरिक अधिकारों की होगी रक्षा

इन तीनों बिलों को भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) 1860, आपराधिक दंड प्रक्रिया (सीआरपीसी) 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के अंग्रेजों के बनाए कानूनों की जगह लाया जाएगा। तीनों नए बिलों को पेश करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कहा था कि इन तीनों नए कानूनों से संविधान के तहत नागरिक अधिकारों की रक्षा की जाएगी।

सरकार कर रह है कई बदलाव-उन्होंने कहा कि ब्रिटिशकाल के इन कानूनों का मकसद न्याय देना नहीं बल्कि अपने शासन की रक्षा के लिए लोगों को दंडित करना था। लेकिन अब सरकार इन मूलभूत पहलुओं में बदलाव कर रही है। इन कानूनों का मकसद जनता को दंडित करना नहीं बल्कि न्याय देना है। इस प्रक्रिया में सजा केवल अपराध को रोकने की भावना से आवश्यकतानुसार दी जाएगी।

एनसीआर से निकलने का आ गया टाइम ? एक्यूआई बढ़ने से दिल्ली की हवा में घुला 'जहर'; लोगों को दिक्कतें शुरू

नई दिल्ली। जैसी आशंका थी वैसा ही हुआ। बढ़ते प्रदूषण से आबोहवा फिर दमघोंटू हो गई है। दिल्ली-एनसीआर की हवा रविवार को बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली, फरीदाबाद, नोएडा/ग्रेटर नोएडा का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के पार हो गया। वहीं, गाजियाबाद और गुरुग्राम की हवा भी खराब श्रेणी में है। इससे हवा में घुटन बढ़ गई।

एक्यूआई 24 घंटे में 65 अंक बढ़ा- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, रविवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 313 रहा। इस स्तर की हवा बेहद खराब श्रेणी में मानी जाती है। इससे पहले शनिवार को यह 248 अंक पर था। यानी 24 घंटे के भीतर ही इसमें 65 अंकों की बढ़ोतरी हुई है।

आंखों में जलन की शिकायत- प्रदूषित हवा के चलते लोगों को नाक और गले में खराश के साथ आंख में जलन का भी सामना करना पड़ रहा है। सीपीसीबी के मुताबिक, रविवार शाम चार बजे हवा में प्रदूषक कण पीएम 10 का स्तर 268 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और पीएम 2.5 का स्तर 137 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा।

मई के बाद 300 पार एक्यूआई- इस बार गर्मी और मॉनसून के सीजन में दिल्ली की हवा खासी साफ-सुथरी रही। मई माह में बेहद खराब श्रेणी की हवा वाला एक दिन रहा था। 17 मई को वायु गुणवत्ता सूचकांक 336 अंक पर था। इसके बाद से यह पहला मौका है जब एक्यूआई 300 के पार गया है। तापमान में गिरावट के साथ ही प्रदूषक कण हवा में ज्यादा देर तक ठहरे रहते हैं। इस कारण भी प्रदूषण बढ़ रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, रविवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 313 रहा। इस स्तर की हवा बेहद खराब श्रेणी में मानी जाती है। इससे पहले शनिवार को यह 248 अंक पर था। यानी 24 घंटे के भीतर ही इसमें 65 अंकों की बढ़ोतरी हुई है।

दो दिन राहत के आसार नहीं

दिल्ली के लोगों को अभी खराब हवा से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के मुताबिक, अगले दो दिनों के बीच भी मौसम के कारक लगभग ऐसे ही बने रहेंगे। इसके चलते प्रदूषण का स्तर भी बेहद खराब श्रेणी में बना रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

राम और रहीम

सदियों से भारत में रसखान परंपरा में ऐसे तमाम बड़ी सोच वाले लोग रहे हैं जिन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता की दिशा में अनवरत सार्थक प्रयास किये। देश के तमाम गांवों में आज भी मिलने पर सभी संप्रदायों में राम-राम कहने का दस्तूर-सा है। निश्चित रूप से जब तक देश में सद्भाव व सकारात्मक सोच के लोग विद्यमान हैं तब तक विभाजनकारी ताकतें गंगा-जमुनी तहजीब को नुकसान नहीं पहुंचा सकती। सुखद अहसास होता है जब पता चलता है कि भारत के विभिन्न भागों में होने वाली रामलीलाओं में हिंदू, मुस्लिम, जैन आदि समुदाय के लोग गरिमा के साथ विभिन्न पात्रों का निर्वाह कर रहे हैं। अलगाव के राजनीतिक विमर्श के बावजूद कई प्रांतों से खबरें आती हैं कि राम लीलाओं में अनेक मुस्लिम परिवार पीढ़ी-दर-पीढ़ी विभिन्न किरदारों को मंच पर निभा रहे हैं। बताया जाता है कि उ.प्र. की राजधानी लखनऊ में मो. साबित खान का परिवार तीन पीढ़ियों से रामलीला मंचन में योगदान दे रहा है। जिनकी बड़ी सोच रही है कि भगवान किसी को हिंदू-मुस्लिम नहीं बनाता है। हम ऊपर वाले की रची एक जैसी रचनाएं हैं। इसी तरह राजस्थान में सीकर, उदयपुर आदि में कई मुस्लिम परिवार रामलीला में अभिनय से लेकर रावण बनाने के काम में दशकों से जुटे हैं। ऐसे ही कई उदाहरण उत्तर प्रदेश के बनारस, अमरोहा, बरेली, बागपत व हरियाणा के फरीदाबाद में भी देखने में आए हैं। कहीं वे लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं तो कहीं हनुमान का। कहीं हिंदी-उर्दू मिश्रित भाषा में रामलीला के संवाद लिखे जा रहे हैं तो कहीं वे मेकअप आर्टिस्ट का किरदार निभा रहे हैं। निश्चित तौर पर जिस देश के हिंदू-मुस्लिम मिलकर अपनी सांस्कृतिक जड़ों को सींच रहे हैं, वहां वैमनस्यता व कटुता के लिये कोई जगह नहीं हो सकती है। कई संघ के नेता जब कहते हैं कि हम सब के वंशज विशुद्ध भारतीय थे तो उसकी तार्किक वजह है। निस्संदेह, हमारे आराध्य व पूजा पद्धति भिन्न होने का मतलब सामाजिक कटुता कदापि नहीं हो सकती। हर धर्म सही मायनों में धार्मिक सहिष्णुता का ही प्रतीक रहा है। दुनिया में हिंदू धर्म अपनी इस खासियत के लिये जाना जाता है कि उसने विश्व की तमाम संस्कृतियों व धर्मों को खुद में समाहित करके अपना विस्तार किया है। इतना ही नहीं अन्य धर्मों के आराध्यों को भगवान का दर्जा देकर भिन्न-भिन्न आस्थाओं का सम्मान किया है। पारसी व अन्य कई धर्म जो दुनिया में लुप्तप्राय हो चले हैं, उनका भारत में फलना-फूलना हमारी धार्मिक साहिष्णुता का पर्याय ही है। निस्संदेह, किसी भी धर्म के अच्छे लोग भी होते हैं और बुरे लोग भी। ऐसा में किसी धर्म के प्रति दुराग्रह बना लेना कतई न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। कितना अच्छा हो कि लोग होली में भी गले मिलें और ईद पर भी। हम इस देश के नागरिक हैं और सबको यहीं रहना है। तो क्यों न सद्भाव व समरसता की सोच के साथ ही रहा जाए। ये वक्त की जरूरत भी है और समरसता के विकास की अनिवार्य शर्त भी।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है दशहरा

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(24 अक्टूबर पर विशेष)

दशहरा भारत के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इसी दिन भगवान राम ने बुराई के प्रतीक दस सिर वाले रावण का संहार किया था तो देवताओं को हराकर स्वर्ग पर अधिकार करने वाले महिषासुर का 10 दिन तक चले भयंकर युद्ध के बाद मां दुर्गा ने वध किया था। इसीलिये इसको विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं। इस दिन शस्त्र-पूजा की जाती है। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का समापन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है।

भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक व शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में फसल उगाकर अनाज घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का पारावार नहीं रहता। इस प्रसन्नता के लिये वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए उनका पूजन करता है। भारतवर्ष में यह पर्व विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। दशहरा शब्द हिंदी के दो शब्दों दस और हारा से मिलकर बना है। जहां दस गणित के अंक दस (10) और हारा शब्द पराजित का सूचक है। इसलिए यदि इन दो शब्दों को जोड़ दिया जाए तो दशहरा बनता है। जो उस दिन का प्रतीक है जब दस सिर वाले दुष्ट रावण का भगवान राम ने वध किया था। दशहरा अथवा विजयदशमी पर्व को भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में। दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है। शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है।

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भांति यहां भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियां और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर ढोल, नगाड़े, बांसुरी आदि वाद्य यंत्रो को लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है। कर्नाटक में मैसूर का दशहरा भी पूरे भारत में प्रसिद्ध है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का श्रृंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभायात्रा का आनंद लेते हैं। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं। इस दौरान यहां आगंतुकों का स्वागत पारम्परिक मिठाई और उपहारों से किया जाता है। यहां भी रावण-दहन के आयोजन होते हैं व मैदानों में मेले लगते हैं।

महाराष्ट्र में नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित रहते हैं जबकि दसवें दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना की जाती है। इस दिन विद्यालय जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई में आशीर्वाद पाने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नये घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं। महाराष्ट्र में इस अवसर पर सिलंगण के नाम से सामाजिक महोत्सव के रूप में भी इसको मनाया जाता है।

बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकर लोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैं जो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहाँ दशहरा श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। बस्तर में यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है।बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों, ओडिया, और आसमिया लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। बंगाल में दशहरा पूरे पांच दिनों के लिए मनाया जाता है। ओडिशा और असम मे चार दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों में विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। इसके साथ अन्य देवी द्वेवताओं की भी कई मूर्तियां बनाई जाती हैं। यहां दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। प्रसाद चढ़ाया जाता है और प्रसाद वितरण किया जाता है। पुरुष आपस में आलिंगन करते हैं जिसे कोलाकुली कहते हैं। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं व देवी को अश्रुपूरित विदाई देती हैं। इसके साथ ही वे आपस में भी सिंदूर लगाती हैं व सिंदूर से खेलती हैं। इस दिन यहां नीलकंठ पक्षी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है। अन्त में देवी प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाया जाता है। मूर्ति विसर्जन यात्रा बड़ी दर्शनीय होती है। गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। इस अवसर पर भक्ति, फिल्म तथा पारम्परिक लोक-संगीत सभी का समायोजन होता है। पूजा और आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात होता रहता है। नवरात्रि में सोने और गहनों की खरीद को शुभ माना जाता है।

कश्मीर के अल्पसंख्यक हिन्दू नवरात्रि के पर्व को श्रद्धा से मनाते हैं। परिवार के सारे वयस्क सदस्य नौ दिनों तक उपवास करते हैं। अत्यंत पुरानी परम्परा के अनुसार नौ दिनों तक लोग माता खीर भवानी के दर्शन करने के लिए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं।तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में दशहरा नौ दिनों तक चलता है जिसमें तीन देवियां लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा करते हैं। पहले तीन दिन धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन होता है। अगले तीन दिन कला और विद्या की देवी सरस्वती की अर्चना की जाती है और अंतिम दिन देवी शक्ति की देवी दुर्गा की स्तुति की जाती है। पूजन स्थल को अच्छी तरह फूलों और दीपकों से सजाया जाता है। लोग एक दूसरे को मिठाइयां व कपड़े देते हैं। यहां दशहरा बच्चों के लिए शिक्षा या कला संबंधी नया कार्य सीखने के लिए शुभ समय होता है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व दशहरा

(लेखक-योगेश कुमार गोयल)

-दशहरा (24 अक्तूबर) पर विशेष

आश्विन शुक्ल दशमी को प्रतिवर्ष 'विजयादशमी' पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे दशहरा भी कहा जाता है। दशहरा इस वर्ष उदया तिथि के अनुसार 24 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। समस्त भारत में दशहरा भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात् बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे। इसी कारण इस पर्व को विजय के लिए प्रस्थान का दिन भी कहा जाता है और इसे क्षत्रियों का त्यौहार भी माना गया है। इस दिन अपराजिता देवी की पूजा भी होती है। मान्यता है कि सर्वप्रथम श्रीराम ने समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ किया था और तत्पश्चात् दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान करते हुए विजय प्राप्त की थी। तभी से दशहरे को असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की जीत के पर्व के रूप में मनाया जा रहा है।

दो शब्दों दश तथा हरा से मिलकर बना है दशहरा। दश का अर्थ है दस तथा हरा का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार दशहरे का मूल अर्थ है दस अवगुणों या बुराईयों को ले जाना यानी इस अवसर पर अपने भीतर के दस अवगुणों को खत्म करने का संकल्प लेना। दरअसल हर इंसान के भीतर रावण रूपी अनेक बुराईयां मौजूद होती हैं और सभी पर एक बार में विजय पाना संभव भी नहीं है, इसलिए दशहरे पर ऐसी ही कुछ बुराईयों का नाश करने का संकल्प लेकर इस पर्व की सार्थकता सुनिश्चित की जा सकती है। दशहरे को रावण पर राम की विजय अर्थात् आसुरी शक्तियों पर सात्विक शक्तियों की विजय तथा अन्याय पर न्याय की, बुराई पर अच्छाई की, असत्य पर सत्य की, दानवता पर मानवता की, अधर्म पर धर्म की, पाप पर पुण्य की और घृणा पर प्रेम की जीत के रूप में मनाया जाता है। दशहरे का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। यह पर्व देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व है। सही अर्थों में यह पर्व अपने भीतर छिपे दुर्गुणों रूपी रावण को मारकर तमाम अवगुणों पर विजय प्राप्त करने का शुभकाल है।दशहरे के उत्सव का संबंध नवरात्रों से जोड़कर देखा जाता रहा है। शक्ति की उपायना का यह पर्व सनातन काल से ही शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि नवरात्रों में देवी की शक्ति से दसों दिशाएं प्रभावित होती हैं और देवी दुर्गा की कृपा से ही दसों दिशाओं पर विजय प्राप्त होती है, इसलिए भी नवरात्रों के बाद आने वाली दशमी को 'विजयादशमी' कहा जाता है। नवरात्रों के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हमें यह भी समझना चाहिए कि हमारे समाज में सभी नारियां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती या काली का ही रूप हैं, इसलिए इन पर्वों की सार्थकता सही मायनों में तभी सिद्ध हो सकती है, जब हम अपने समाज में देवी स्वरूपा नारी को उचित मान-सम्मान दें, उसे गर्भ में ही मौत की नींद सुलाने से बचाएं, शिक्षित करके उन्हें उनका हक दिलाएं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें। शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है। मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था। जब महिषासुर के अत्याचारों से भूलोक और देवलोक त्राहि-त्राहि कर उठे थे, तब आदि शक्ति मां दुर्गा ने 9 दिनों तक महिषासुर के साथ बहुत भयंकर युद्ध किया था और दसवें दिन उसका वध करते हुए उस पर विजय हासिल की थी। इन्हीं 9 दिनों को दुर्गा पूजा (नवरात्र) के रूप में एवं शक्ति संचय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है और महिषासुर पर आदि शक्ति मां दुर्गा की विजय वाले दसवें दिन को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। श्राद्धों के समाप्ति वाले दिन मिट्टी के किसी बर्तन में मिट्टी में जौ बोए जाने की परम्परा बहुत से क्षेत्रों में देखने को मिलती है। दशहरे के दिन तक जौ उगकर काफी बड़े हो जाते हैं, जिन्हें 'ज्वारे' कहा जाता है। मिट्टी के जिस बर्तन में जौ बोए जाते हैं, उसे स्त्री के गर्भ का प्रतीक माना गया है और ज्वारों को उसकी संतान। दशहरे के दिन लड़कियां अपने भाईयों की पगड़ी अथवा सिर पर ज्वारे रखती हैं और भाई उन्हें कोई उपहार देते हैं। सही मायनों में इस पर्व की सार्थकता तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब हम इस अवसर पर आत्मचिंतन करते हुए अपने भीतर की बुराईयों रूपी रावण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए उनका विनाश करने का प्रयास करें।

विचार मंथन

नफरत की लड़ाई में अस्पताल और डॉक्टर भी सुरक्षित नहीं

(लेखक-सनत जैन)

इंसानियत किस तरह से दम तोड़ रही है। इसका उदाहरण है गाजा की अस्पताल में इजरायल सेना द्वारा भीषण बमबारी की गई। इसमें 500 से ज्यादा बच्चों, बीमार और डॉक्टरों की मौत हो गई। इसके बाद भी मानवीय संवेदना इजरायल के प्रधानमंत्री में देखने को नहीं मिली। निरपराध, निसहाय, औरतों और बच्चों पर जिस तरीके का कहर ढाया गया। उससे मानवता न केवल शर्माशार हुई है, वरन मानव के रूप में राक्षस मिल हो रहे हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है। अंतरराष्ट्रीय कानून के होते हुए, संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा लगातार अपील किए जाने के बाद भी जिस तरह से इजरायली सरकार द्वारा नफरत की आग में जलते हुए, अस्पताल को निशाने पर लिया गया। फिलिस्तीन की पानी, बिजली और खाना की सप्लाई रोककर जिस अमानुषिक ढंग से फिलिस्तीन के नागरिकों के साथ व्यवहार किया जा रहा है। इसकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है कि दुनिया के इतने बड़े-बड़े विकसित और विकासशील राष्ट्र यह सब होते हुए देख रहे हैं। फिलिस्तीन बीच में हजारों बच्चों और महिलाओं की मौत, इलाज नहीं मिलने और खाद्य सामग्री नहीं मिलने के कारण हो गई। प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध की भीषण विभीषका से सारी दुनिया के देश वाकिफ है। संयुक्त राष्ट्र संघ और जेनेवा कन्वेंशन की धारा 18 की खुले आम अवहेलना करते हुए, इजराइल ने जिस तरह के से सिविलियन अस्पताल पर हमला किया है। हमला करने के बाद भी जिस तरह से उसे झूठलाने का प्रयास किया है। पानी-बिजली इत्यादि की सप्लाई बंद करके वहां के नागरिकों को घेरकर करने की जो कोशिश की है। उसके बाद भी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा कोई उपयुक्त कार्यवाही इजरायल के ऊपर नहीं की गई। सुयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा केवल ब्यान दिये जा रहे है। इसकी आलोचना सभी देशों के नागरिकों के बीच में तीव्र प्रतिक्रया के रूप में हो रही है। एक अपवाद को छोड़ दिया जाए, जिसमें सेना के कमांडरों और सैनिकों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। बोस्निया युद्ध में एक अस्पताल पर जानबूझकर किए गए हमले के मामले में, अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में मुकदमा चलाया गया था। 21 साल पहले मानवता के खिलाफ अपराधों पर मुकदमा चलाने के लिए इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट का गठन किया गया था। उसमें सजा दी गई थी। उसके बाद से इन 21 वर्षों में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा कोई ऐसी कार्यवाही नहीं की गई, जिससे यह विश्वास जगे की युद्ध की विभीषिका में घायल और बीमारों को अस्पताल और डॉक्टरों का इलाज मिल सके। युद्ध के दौरान बीमार एवं घायलों के जीवन को सुरक्षित रख पाए। युद्ध के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं के ठिकानों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। इजराइल और गाजा पट्टी की यह घटना कोई नई-नई है। सीएचसी संगठन के अनुसार 2022 में अस्पतालों पर हमले की 1989 घटनाएं हुई है। यूक्रेन में सबसे ज्यादा घटना हुई है। इसके पहले म्यांमार में भी इसी तरीके के हालात बने थे। म्यांमार में 2021 में हुई फौजी बगावत के बाद 800 हेल्थ वर्करों को गिरफ्तार किया गया था। 2014 से 2016 के बीच अफ़ग़ानिस्तान सीरिया और यमन में भी अस्पतालों पर भयावह तरीके से बम बरसाए गए थे। 2015 में कुंदुंज, अफगानिस्तान स्थित ट्रामा सेंटर पर अमेरिकी हवाई हमला भी इसमें शामिल है। इस हमले में उस समय 42 लोगों की मौत हुई थी। पिछले कुछ वर्षों में कई बड़े युद्ध दुनिया के कई देशों में हुए हैं। इथोपिया,यूक्रेन, सूडान और अब गाजा शामिल है। 7 अक्टूबर के बाद से बेस्ट बैंक और गाजा के अस्पतालों पर 115 से अधिक बार हमले किए जा चुके हैं। इजराइल ने गाजा के अस्पतालों को खुलेआम चेतावनी दी, और अस्पतालों को खाली करने के लिए कहा। युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं और रेड क्रॉस सोसाइटी घायलों और बीमारी की मदद के के रूप में सुरक्षा का कवच दिया गया है। यह सुरक्षा कवच भी, अब केवल कागजों तक सीमित होकर रह गया है। विकसित एवं विकासशील देश जो आर्थिक रूप से सक्षम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अकासा एयरलाइन शेयर बाजार में होगी लिस्ट

नई दिल्ली। दिवंगत दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला की एयरलाइंस कंपनी अकासा एयर शेयर बाजारों लिस्ट होने की योजना बना रही है। कंपनी की योजना इस दशक के ओ खिरी तक शेयर बाजार में लिस्ट हो सकती है। एयरलाइन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) विनय दुबे ने यह जानकारी दी। अकासा एयर जल्द ही इंटरनेशनल ऑपरेशन शुरू करने वाली है और 100 से अधिक विमानों का ऑर्डर देने वाली है। दुबे ने कहा` कि अकासा इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) लाने से पहले कंपनी अपनी ओर से और जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है। करीब 14 माह पुरानी एयरलाइन 16 घरेलू डेस्टिनेशन के बीच प्रति सप्ताह 750 फ्लाइट्स का संचालन करती है। एयरलाइन की चालू वित्त वर्ष के अंत तक इंटरनेशनल सर्विसेज शुरू करने योजना है। कंपनी ने 76 बोइंग 737 मैक्स विमानों का ऑर्डर दे दिया है, जो 2027 के मध्य तक शामिल हो जाएंगे। अकासा एयर में फिलहाल 20 विमान हैं और 2023 के अंत तक कंपनी की तीन अंक में विमानों का ऑर्डर देने की योजना है।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एथनॉल की आपूर्ति के लिए निविदा जारी की

नई दिल्ली । तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने सभी स्रोतों से 8.23 अरब लीटर एथनॉल की आपूर्ति के लिए निविदा जारी की है, जो 15 प्रतिशत एथनॉल मिलाने के जरूरी है। दस्तावेज कुछ दिन पहले जारी हुए और बोली की वैधता 31 जुलाई, 2024 तक के लिए है। आधिकारिक दस्तावेज में कहा गया है क विभिन्न स्रोतों जैसे गन्ने के रस, चीनी, चीनी के शीरे, बी हैवी मोलैसिस, सी हैवी मोलैसिस, खराब हो गए अनाज, मक्के, एफसीआई से मिले अतिरिक्त चावल से उत्पादित एथनॉल और उनकी मात्रा का बोली फॉर्म में दी गई है। बोली लगाने वाले को निर्धारित अवधि में निर्धारित कुल मात्रा की आपूर्ति करनी होगी। 2022-23 में ओएमसी ने 6.51 लाख लीटर एथनॉल आपूर्ति के लिए निविदा मांगी थी, जिसमें से जुलाई के ओ खिर तक करीब 3.51 अरब लीटर की आपूर्ति हुई है। इसमें से करीब 82 प्रतिशत गन्ने से जुड़े एथनॉल व शेष अनाज से बने एथनॉल की आपूर्ति हुई। सूत्रों ने कहा कि 2022-23 के दौरान 12 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य था, जबकि कुछ सप्ताह पहले तक 11.76 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा चुका है। आधिकारिक योजना के मुताबिक भारत ने 2023-23 आपूर्ति वर्ष में 15 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य रखा गया है। 2024-25 तक 18 प्रतिशत और 2025-26 आपूर्ति वर्ष तक 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाने की योजना है।

मिलेट्स पर काम करने वाले प्रगतिशील किसानों से गुर सीखेंगे बच्चे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 27 से 29 अक्टूबर तक तीन दिवसीय श्रीअन्न महोत्सव व राज्य स्तरीय मिलेट्स कार्यशाला कराई जाएगी। सीएम योगी आदित्यनाथ इसका शुभारंभ करेंगे। महोत्सव में कृषि विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के छात्र हिस्सा लेकर मिलेट्स पर काम करने वाले किसानों के कार्यों से अवगत होंगे। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि महोत्सव के जरिए एक तरफ जहां प्रगतिशील किसानों से भावी पीढ़ी को जोड़कर खेत-खलिहान की चर्चा होगी, वहीं मिलेट्स उत्पादों के लिए अन्य किसानों को प्रेरित भी किया जाएगा। सरकार महोत्सव के माध्यम से मिलेट्स फसलों के उत्पादन, उपभोग, विपणन, निर्यात आदि के बारे में भी जागरूक करेगी। सम्मेलन में हर जनपद से 50 प्रगतिशील किसान, कृषक उत्पादक संगठन के 10 प्रतिनिधि व 10 प्राविधिक सहायक भी हिस्सा लेंगे। श्रीअन्न के उत्पादों के 40 स्टॉल भी लगेंगे।अन्न महोत्सव में सभी 18 मंडल के किसान हिस्सा लेंगे। इसमें लखनऊ, मेरठ व कानपुर मंडल की तरफ से सर्वाधिक किसानों की सहभागिता रहेगी। कृषि विभाग के मुताबिक 27 को लखनऊ व कानपुर से 420-420, अयोध्या के 350, देवीपाटन से 280, बस्ती से 210, आजमगढ़ से 160 किसान, एफपीओ व प्राविधिक सहायक प्रतिनिधि के तौर पर रहेंगे। 28 को मेरठ मंडल से 420, मुरादाबाद से 350, आगरा- अलीगढ़ से 280-280 रहेंगे। इसी दिन कृषि विश्वविद्यालय से 250, सहारनपुर से 160, कृषि महाविद्यालय से 100 छात्र-शिक्षकों की उपस्थिति रहेगी।

पीयूष गोयल सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के पीयूष गोयल दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने के लिए मंगलवार और बुधवार को सऊदी अरब के रियाद में फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव (एफआईआई) के 7वें संस्करण में भाग लेंगे। सोमवार को आधिकारिक बयान जारी कर यह जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान, गोयल ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुल अजीज बिन सलमान अल-सऊद, वाणिज्य मंत्री माजिद बिन अब्दुल्ला अल कसाबी और निवेश मंत्री खालिद ए अल फलीह सहित सऊदी अरब के गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात करेंगे। केंद्रीय मंत्री सऊदी निवेश मंत्री के साथ जोखिम से अवसर तक- नई औद्योगिक नीति युग में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए रणनीतियां विषय पर एक कॉन्क्लेव सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। बयान में कहा गया है कि वह भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगे, जो सऊदी अर्थव्यवस्था का एक प्रभावशाली हिस्सा है और दुनिया भर के व्यापारिक नेताओं और प्रमुख सीईओ से भी मिलने की उम्मीद है। गौरतलब है कि एफआईआई इंस्टीट्यूट एक वैश्विक गैर-लाभकारी फाउंडेशन है, जिसे सऊदी अरब द्वारा लॉन्च किया गया है। इसका उद्देश्य वैश्विक मानवता पर प्रभाव बनाने के लक्ष्य के साथ निवेश के नए रास्तों पर चर्चा करने के लिए दुनिया भर से सरकार और व्यापारिक नेताओं को इकट्ठा करना है। इसके फोकस के चार क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और स्थिरता हैं। एफआईआई के 7वें संस्करण की थीम द न्यू कंपास है जो नई वैश्विक व्यवस्था पर केंद्रित है। इस आयोजन में दुनिया के प्रमुख निवेशकों, व्यापारिक नेताओं, नीति निर्माताओं, अन्वेषकों और खोजकर्ताओं की भागीदारी की उम्मीद है। बाद की बैठकों में, उपस्थित लोग विचार-विमर्श करने और नए बाजारों की खोज करने और आर्थिक विकास और समृद्धि की नई सीमाओं को पार करने के लिए एक साथ आएंगे।

सेबी ने मंगनानी को शेयर बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित किया

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नियामक मानदंडों का उल्लंघन करने पर शेयर बाजार सलाहकार फर्म वेल्थइट ग्लोबल के मालिक मोहित मंगनानी को शेयर बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। नियामक ने उन पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सेबी ने इसके अलावा मोहित मंगनानी को पांच साल की अवधि के लिए किसी भी सूचीबद्ध सार्वजनिक कंपनी या किसी सेबी में पंजीकृत मध्यस्थ में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक के रूप में काम करने से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी ने मंगनानी को नियामक के स्कोर्स मंच पर मिलीं सभी शिकायतों का तीन महीनों के अंदर निपटान करने का निर्देश भी दिया है। सेबी ने मंघनानी के खिलाफ एक पक्षीय आदेश पारित किया था और बाद में उन्होंने प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (एसएटी) से संपर्क किया, जिसने मामले को सेबी को वापस भेज एक नया आदेश पारित करने का निर्देश दिया। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि उसने पाया कि नोटिस प्राप्तकर्ता (मंगनानी) ने निरीक्षण के दौरान सेबी के साथ सहयोग नहीं किया और पते में बदलाव और व्यवसाय बंद करने के संबंध में जानकारी का खुलासा न करके अपने ग्राहकों को धोखा दिया।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । घरेल बाजार में सोमवार को रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 83.14 पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट के बाद 83.15 पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूत स्थिति और विदेशी कोष की सतत निकासी से भी रुपये पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं विदेशी मुद्रा कोरोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में सुधार और शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती से रुपये की गिरावट सीमित रही। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.15 पर खुला, जो पिछले बंद स्तर से तीन पैसे की गिरावट है। शुक्रवार को रुपया 83.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। वहीं दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ ही 106.30 पर रहा।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 825 , निफ्टी 264 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप 2.5 फीसदी और स्मॉलकैप सूचकांक 4.18 फीसदी नीचे आया। वहीं

एलटीआईमाइंडट्री, अदानी एंटरप्राइजेज, हिंडाल्को, यूपीएल, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, टीसीएस, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी लाइफ, इंडसइंड बैंक, विप्रो, ग्रासिम, एसबीआई लाइफ, हीरो मोटोकॉर्प, एसबीआई और एलएंडटी के शेयर भी गिरे। इन शेयरों में 2 से 4 फीसदी की गिरावट रही।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 825.74 अंक करीब 1.26 फीसदी नीचे आकर 64,571.88 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,453.92 तक ऊपर जाने के बाद 64,502.68 तक गिरा।दूसरी ओर 50 शेयरों वाला निफ्टी भी 260.90 अंक तकरीबन 1.34 फीसदी नीचे आकर दिन के अंत में 19,281.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के

दौरान निफ्टी 19,556.85 तक ऊपर जाने के बाद 19,257.85 तक गिरा।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से केवल दो शेयर बजाज फाइनैंस और महिंद्रा एंड महिंद्रा लाभ के साथ बढ़े। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 28 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इसमें से जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, टीसीएस, टाटा मोटर्स और विप्रो सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों को हुआ है। इसके शेयर 2.99 फीसदी नीचे आये हैं। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत हल्की बढ़त के साथ हुई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 56.3 अंक बढ़कर 65,453.92 पर पहुंच गया। निफ्टी 14.2 अंक चढ़कर 19,556.85 पर रहा। दोनों सूचकांकों को बाद में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा और वे मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं इससे पहले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए थे

एयर इंडिया मौजूदा मार्गों पर अपनी उपस्थिति मजबूत करेगी: एमडी

मुंबई।

एयर इंडिया की किफायती एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने कहा है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस शुरुआत में पूरे देश में अपनी क्षमता विस्तार पर विचार नहीं कर रही है और इसके बजाय सबसे पहले मौजूदा मार्गों पर अपनी उपस्थिति मजबूत करेगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस किफायती घरेलू एयरलाइन एयरएशिया इंडिया का खुद में विलय करने की प्रक्रिया में है। कंपनी ने पिछले सप्ताह अपनी नई ब्रांड पहचान का भी अनावरण किया था। टाटा समूह के स्वामित्व वाले एयर इंडिया समूह में एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, एआईएक्स कनेक्ट और विस्तार हैं। टाटा समूह भी अपने एयरलाइन कारोबार को एकीकृत करने की प्रक्रिया में है।

इसके तहत टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस में 51:49 अनुपात की हिस्सेदारी वाली विस्तार भी एआई इंडिया में विलय की प्रक्रिया में है। सिंह ने कहा ` कि एयर इंडिया एक्सप्रेस का ध्यान उन मार्गों पर होगा, जिन पर

सैर-सपाटा करने वाले यात्री ज्यादा जाते हैं और मूल्य को लेकर संवेदनशील ग्राहक ज्यादा हैं। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया एक्सप्रेस नेटवर्क को इस तरह से संरचित किया जाएगा कि यह उन गंतव्यों के लिए उड़ान भरेगा जहां एयर इंडिया उड़ान नहीं भरती है क्योंकि वर्तमान में इसकी अलग-अलग प्राथमिकताएं हैं।

एटीएम कार्ड पर एक्स्ट्रा चार्ज लगाने पर आरबीआई ने मुंबई के एक बैंक पर लगाया जुर्माना

मुंबई। आरबीआई ने एसवीसी को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, मुंबई पर 13.3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। बैंक आरबीआई के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट में एटीएम कार्ड के लिए वार्षिक मेंटेनेंस चार्ज ले रहा था। 31 मार्च, 2021 को बैंक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में आरबीआई द्वारा किए गए निरीक्षण और जोखिम मूल्यांकन रिपोर्ट, निरीक्षण रिपोर्ट और उससे संबंधित जांच से अन्य बातों के साथ-साथ पता चला कि बैंक ने बेसिक सेविंग्स बैंक अकाउंट में एटीएम कार्ड के लिए एनुअल मेंटेनेंस चार्ज लगाया था। इसके चलते बैंक को एक नोटिस जारी किया गया जिसमें उसे कारण बताने को कहा गया कि आरबीआई के निर्देशों का अनुपालन न करने पर उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाय। आरबीआई ने सोमवार को कहा, नोटिस पर बैंक के जवाब पर विचार करने के बाद, आरबीआई इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि बैंक पर आरबीआई निर्देशों का अनुपालन न करने का आरोप साबित हुआ और जुर्माना लगाना लाजमी हो गया। आरबीआई के बयान में कहा गया है कि यह कार्रवाई नियामक अनुपालन में कमी पर आधारित है और इसका मकसद बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता को प्रभावित करना नहीं है।

भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच वैश्विक विश्लेषकों ने भारत की आर्थिक ताकत पर भरोसा दिखाया है: वित्त मंत्रालय के दस्तावेज़

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के विकास अनुमान 0.2 प्रतिशत बढ़ाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। यह वैश्विक अनिश्चितताओं और ताजा भूराजनीतिक चुनौतियों के बीच वैश्विक विश्लेषकों के भरोसे और भारत की आर्थिक मजबूती को दर्शाता है।

वित्त मंत्रालय की सितंबर 2023 की आर्थिक समीक्षा में यह बात कही गई।सोमवार को जारी समीक्षा में कहा गया, मजबूत निजी उपभोग मांग हाल की अवधि में भारत की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख चालक रही है। इसमें कहा गया है कि विकास के कम से कम दो अतिरिक्त चालक सामने आए हैं, पहला है निवेश मांग का धीरे-धीरे मजबूत होना। अब तक निवेश को मुख्य रूप से केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय से समर्थन मिला है और इसके कारण निजी कॉर्पोरेट भी निवेश कर रहे हैं। आवास ऋण वित्तपोषण द्वारा समर्थित आवासीय संपत्तियों की बढ़ती मांग ने निर्माण गतिविधि और संपत्ति बाजारों को बढ़ावा दिया है। दूसरा औद्योगिक गतिविधि का सुदृढ़ीकरण है, जो हाल के आंकड़ों और विश्वसनीय धारणा सर्वेक्षणों से प्रमाणित है। एक मजबूत और उभरती बैंकिंग प्रणाली और वित्तीय बाजार द्वारा समर्थित कॉर्पोरेट बैलेंस शीट और उनकी नई निवेश गतिविधि में सुधार इस दृष्टिकोण को उज्ज्वल बनाता है।

इसमें कहा गया है कि विकास के प्रमुख व्यापक आर्थिक सहवर्ती भी आम तौर पर मजबूत बने हुए हैं। समीक्षा में कहा गया है, ÷सितंबर में मुद्रास्फीति का दबाव काफी हद तक कम हो गया है, जिससे पुष्टि होती है कि पिछले दो महीनों में महंगाई दर का बढ़ना अस्थायी था, जो कुछ खाद्य पदार्थों में मौसमी और आपूर्ति बाधाओं के कारण हुआ था। नकारात्मक जोखिम, विशेष रूप से वर्षा की अनिश्चितता और वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों से उभर रहे हैं। हालाँकि, यह नगण्य है। मंत्रालय ने खास तौर पर कहा है कि कोर मुद्रास्फीति में देखी गई सहज गिरावट के कारण ओवरऑल मुद्रास्फीति को लक्षित दायरे के भीतर बनाए रखने की संभावना है। समीक्षा के अनुसार, केंद्र सरकार की राजकोषीय स्थिति स्थिर राजस्व वृद्धि - विशेष रूप से प्रत्यक्ष करों में, और राजस्व व्यय के विवेकपूर्ण युक्तिकरण के साथ - ठोस बनी हुई है।

इसने बाजार उधार कार्यक्रम को बजटीय लक्ष्य की सीमा में रखते हुए पूंजीगत व्यय बढ़ाने में मदद की है। रोजगार के रुझान उत्साहवर्धक हैं जबकि श्रम बल भागीदारी दर में लगातार सुधार हो रहा है। बेरोजगारी दर में गिरावट आ रही है।

चीन ने आईफोन निर्माता फॉक्सकॉन की जांच शुरू की

हांगकांग।

चीनी सरकार ने कथित तौर पर एप्पल निर्माता फॉक्सकॉन की जांच शुरू कर दी है। नियामक ताइवान स्थित दिग्गज कंपनी की कर और भूमि उपयोग को लेकर जांच कर रहे हैं।सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीनी कर अधिकारियों ने अन्य स्थानों के अलावा गुआंग्डोंग और जियांग्सू प्रांतों में फॉक्सकॉन (माननीय हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप) के प्रमुख उद्यमों का निरीक्षण किया। सूत्रों के हवाले से रविवार देर रात रिपोर्ट में कहा गया, प्राकृतिक संसाधन विभाग ने हेनान और हुबेई प्रांतों में फॉक्सकॉन के प्रमुख उद्यमों के भूमि उपयोग की ऑन-साइट जांच भी की है। आईफोन निर्माता फॉक्सकॉन की जांच तब हुई जब इसके संस्थापक टेरी गौ ने अगस्त में जनवरी 2024 में ताइवान के राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल होने की घोषणा की। उन्होंने फॉक्सकॉन के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया, चुनाव में उनके भाग लेने से द्वीप के विपक्षी खेमे में और अधिक विभाजन होने की संभावना है, और यह अंततः सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के उम्मीदवार लाई चिंग-ते के पक्ष में होगा। चीनी मुख्यभूमि विशेषज्ञों ने कहा कि जांच सामान्य और वैध है, क्योंकि कोई भी कंपनी कर निरीक्षण से गुजरती है। हॉन हाई टेक्नोलॉजी समूह के एक प्रवक्ता ने ताइवान स्टॉक एक्सचेंज कॉर्पोरेशन को बताया कि कानून और विनियमों का अनुपालन दुनिया भर में काम कर रहे समूह के लिए मूलभूत सिद्धांत है और यह संबंधित विभागों के साथ उनके निरीक्षण में सक्रिय रूप से सहयोग करेगा। जियामेन यूनिवर्सिटी में ताइवान रिसर्च इंस्टीट्यूट के डिप्टी डीन झांग वेन्शेंग के हवाले से कहा गया, फॉक्सकॉन का दायित्व है कि वे सहयोग करें और संयुक्त रूप से बाजार व्यवस्था बनाए रखें, और यदि कोई उल्लंघन पाया जाता है तो उन्हें अपनी गलतियों को सुधारने के लिए तैयार रहना चाहिए। फॉक्सकॉन ने महत्वपूर्ण लाभ अर्जित किया है और मुख्य भूमि चीन में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। इसकी सहायक कंपनी, फॉक्सकॉन इंडस्ट्रियल इंटरनेट कंपनी लिमिटेड को ए-शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया गया है, जो इसकी मूल कंपनी हॉन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप में योगदान दे रही है।

72 वर्षीय टेक अरबपति गौ ने हाल ही में कहा था कि वह 20 साल के भीतर ताइवान को सिंगापुर से आगे कर देंगे और उनकी प्रति व्यक्ति जीडीपी एशिया में सबसे ज्यादा होगी।

अल नीनो बढ़ रहा सर्दियों की ओर, अर्थव्यवस्था और बाजारों पर इसके प्रभाव पर रहेगी नजर

नई दिल्ली।

एक और अप्रत्याशित घटनाक्रम जो अर्थव्यवस्था पर असर डालेगा और शेयर बाजारों पर असर पड़ने की संभावना है, वह यह है कि अल नीनो चार साल में पहली बार सर्दियों की ओर बढ़ रहा है, जिससे उत्तरी गोलार्ध के लिए औसत से अधिक तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। अमेरिका के नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) की शुक्रवार को जारी शीतकालीन आउटलुक रिपोर्ट ने सर्दियों के महीनों के लिए अल नीनो के विकास की पुष्टि की। इस महीने की शुरुआत में एनओएए ने कहा था कि उत्तरी गोलार्ध में 2024 में मजबूत एल नीनो का अनुभव हो सकता है और इसके ऐतिहासिक रूप से मजबूत (सुपर अल नीनो) होने की 3 में से 1 संभावना है। अल नीनो घटना से उत्पन्न मौसम पैटर्न में व्यवधान का अर्थव्यवस्था के कई उद्योगों और क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ता है, जिनमें ऊर्जा उत्पादकों से लेकर कमोडिटी बाजार से लेकर कृषि हित और पर्यटन तक शामिल हैं। उत्तरी गोलार्ध के देशों पर सुपर अल नीनो का असर वैश्विक व्यापार पर भी पड़ेगा, जिसका असर भारत के निर्यात पर भी पड़ेगा, क्योंकि अमेरिका और यूरोप इसके सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार हैं। निर्यात में किसी भी गिरावट से विनिर्माण क्षेत्र के साथ-साथ आईटी सॉफ्टवेयर जैसी सेवाओं के निर्यात को भी नुकसान होगा। भारत का कृषि क्षेत्र पहले ही दक्षिण पश्चिम मानसून से प्रभावित हो चुका है जो अनियमित था और अल नीनो वर्ष में अपने सामान्य स्तर से कम हो गया था। इसके परिणामस्वरूप खड़ी फसलों को नुकसान हुआ और साथ ही इस वर्ष दलहन और तिलहन जैसी प्रमुख फसलों के तहत बोए गए क्षेत्र में कमी आई, क्योंकि देश का आधे से अधिक कृषि क्षेत्र फसल उगाने के लिए बारिश पर निर्भर करता है। इससे आगे और अधिक परेशानी हो सकती है, क्योंकि अंतर को भरने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए अब महंगे आयात का सहारा लेना पड़ सकता है। कम बारिश के कारण दालों की खेती का रकबा लगभग 9त्न कम हो गया है, जबकि सूरजमुखी का रकबा 65त्न तक गिर गया है। इस वर्ष राज्यों में लगभग 8.68 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र बाढ़ या भारी वर्षा से प्रभावित होने की सूचना है। जून में मानसून देरी से शुरू हुआ था, जिसके बाद जुलाई में अधिक बारिश हुई, उसके बाद अगस्त में कमी हुई और फिर सितंबर में पंजाब और हरियाणा जैसे देश के कुछ हिस्सों में फिर से अधिक बारिश हुई, जिससे खड़ी फसल पर असर पड़ा।

'डिजिटल रेशम मार्ग' विश्व आधुनिकीकरण को गति देता है

बीजिंग।

नाइजीरिया के लागोस में डिलीवरी राइडर जॉन एंड्रयू एक चीनी डिलीवरी कंपनी में कार्यरत हैं। हालांकि इस कंपनी की स्थापना कुछ साल पहले ही हुई, लेकिन इसकी विदेशी गोदाम प्रबंधन और एक्सप्रेस डिलीवरी ऑपरेशंस टीम में एक हजार से अधिक लोग काम करते हैं, जिसने एक कुशल स्थानीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का निर्माण किया है।चीन की डिजिटल इंटेलिजेंट लॉजिस्टिक्स प्रबंधन प्रणाली की मदद से, नाइजीरिया के पास अपना पहला लॉजिस्टिक्स कन्वेयर बेल्ट, पहली स्कैनिंग मशीन और पहला टेलीफोन कार्य सिस्टम मौजूद है। लोग किसी भी समय वेबिल चेक करने के लिए अपने मोबाइल फोन का उपयोग कर सकते हैं, और ऑनलाइन शॉपिंग का समय महीनों से घटकर दिनों में रह गया है। यह 'बेल्ट एंड रोड' पहल और डिजिटल अर्थव्यवस्था के एकीकरण का एक ज्वलंत उदाहरण है। वर्तमान में, जैसे ही 'बेल्ट एंड रोड' का संयुक्त निर्माण उच्च गुणवत्ता वाले विकास के एक नए चरण में प्रवेश करता है, वैश्विक डिजिटल आर्थिक विकास को नए अवसर मिलेंगे। हाल ही में आयोजित तीसरे 'बेल्ट एंड रोड' अंतर्राष्ट्रीय सहयोग शिखर मंच के उद्घाटन समारोह में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मुख्य भाषण देते समय कहा कि चीन 'सिल्क रोड ई-कॉमर्स' सहयोग अग्रणी क्षेत्र बनाएगा और हर साल 'ग्लोबल डिजिटल ट्रेड एक्सपो' आयोजित करेगा। साथ ही चीन और संबंधित देशों ने संयुक्त रूप से 'बेल्ट एंड रोड' डिजिटल आर्थिक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पेइचिंग पहल जैसे परिणाम दस्तावेज़ भी जारी किए हैं। बाहरी दुनिया आम तौर पर यह मानती है कि इससे चीन और सह-निर्माण देशों के बीच डिजिटल आर्थिक सहयोग को गहरा और मजबूत करने को बढ़ावा मिलेगा।

Sports

शुभमन एकदिवसीय में सबसे तेज 2000 रन पूरे करने वाले खिलाड़ी बने

धर्मशाला । युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने एकदिवसीय विश्व कप में सबसे तेज 2000 रन पूरे करने का एक रिकार्ड बनाया है। शुभमन ने यहां केवल 38 पारियों में ही ये रन बना लिए। इस प्रकार उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर हाशिम अमला का रिकार्ड तोड़ दिया। आमला ने 40 पारियों में 2 हजार रन बनाए थे। शुभमन हालांकि इस मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये और 26 रनों पर ही आउट हो गये। एकदिवसीय में सबसे तेज 2000 रनों के मामले में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज जहीर अब्बास हैं। जहीर ने ये रन 45 पारियों में बनाये थे। वहीं इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन और पाकिस्तानके वर्तमान कप्तान बाबर आजम ने भी ये रन 45-45 पारियों में ही पूरे किये थे। इस साल शुभमन ने शुरुआत से अच्छा खेला है। उन्होंने 23 पारियों में ही 1325 रन बना लिए हैं। सबसे अहम बात यह है कि उन्होंने इस साल 5 शतक और 6 अर्धशतक लगाये हैं। उनका औसत जहां 65 से ऊपर हैं तो वहीं उनकी स्ट्राइक रेट भी 100 से ज्यादा चल रही है।

एशियाई पैरा गेम्सः प्रमोद, सुकांत एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

हांगझोऊ।

शीर्ष शटलर प्रमोद भगत और सुकांत कदम ने पैरा एशियाई खेलों में बैडमिंटन प्रतियोगिताओं के दूसरे दिन अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। पैरालंपिक खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रमोद भगत ने मालदीव के अब्दुल लतीफ मोहम्मद को केवल 20 मिनट तक चले मैच में सीधे सेटों में हराया।इस जीत ने पिछले साल के स्वर्ण पदक विजेता के लिए क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। भगत ने शुरुआत से ही मैच में अपनी पकड़ बनाकर रखी। उन्होंने मैच को कम समय में 21-10 और 21-6 के स्कोर के साथ समाप्त किया, जीत के साथ उन्होंने अपने दोनों ग्रुप चरण जीते और अगले दौर के लिए क्वालीफाई किया।

मिश्रित युगल में प्रमोद भगत और मनीषा रामदास की जोड़ी ने थाईलैंड के चवारत कितिचोकवताना और चानिदा श्रीनावकुल को सीधे सेटों में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। यह जोड़ी केंद्रित थी और विरोधियों को दूर करने में ज्यादा समय नहीं लगा और अंतिम स्कोर 21-8, 21-14 हो गया। क्वार्टर फाइनल में प्रमोद और मनीषा का मुकाबला जापान के ताइयो इमाई और नोरिको इतो से होगा। पुरुष युगल में दुनिया की नंबर 1 जोड़ी प्रमोद और सुकांत ने इंडोनेशिया के उकुन रुकेंडी और हैरी सुसांतो को सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट में अपना 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बरकरार रखा। यह जोड़ी विरोधियों पर हावी रही और अंतिम स्कोर 21-8, 21-15 रहा। दूसरी ओर सुकांत कदम ने मालदीव के अहमद फैयाज को सीधे सेटों में हराया। शटलर ने गेम में अपना दबदबा बनाया और अंतिम स्कोर 21-5, 21-7 रहा। इस जीत ने उन्हें क्वार्टर फाइनल में जगह दिला दी है।

एशियाई पैरा खेलों में शैलेश सहित तीन भारतीय खिलाड़ियों को स्वर्ण

महिला वर्ग में प्राची को रजत

हांगझोउ ।

भारत के तीन खिलाड़ियों प्रणव सूरमा, शैलेश कुमार और निषाद कुमार ने चीन के हांगझोउ में शुरु हुए एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार शुरुआत की है। वहीं महिलाओं की कैनो वीएल2 स्पर्धा में प्राची यादव ने 1ः03.147 का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल करने के साथ ही रजत पदक हासिल किया। प्रणव ने एथलेटिक्स प्रतियोगिता के शुरुआती दिन पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में नया रिकार्ड बनाने हुए स्वर्ण जीता। इस स्पर्धा का रजत और कांस्य पदक भी भारतीय खिलाड़ियों को ही मिला। प्रणव ने 30.01 मीटर के प्रयास के साथ ही एशियाई पैरा खेलों का नया रिकॉर्ड कायम करते हुए ये स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि धरमबीर (28.76 मीटर) और अमित कुमार (26.93 मीटर) के साथ ही दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

वहीं पुरुषों की ऊंची कूद टी63 श्रेणी में भारत के शैलेश कुमार ने 1.82 मीटर की रिकॉर्ड छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि मरियप्पन थंगावेलु (1.80 मीटर) के साथ ही रजत पदक जीता। इसके अलावा निषाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 वर्ग में 2.02 मीटर के प्रयास के साथ ही दिन का तीसरा स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में भारत के ही राम पाल ने 1.94 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता।

धर्मशाला में विराट के नाम बना ये अहम रिकार्ड

धर्मशाला । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने एकदिवसीय विश्वकप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 95 रनों की पारी खेलकर एक अहम उपलब्धि भी हासिल कर ली है। विराट का औसत अब धर्मशाला के मैदान पर 100 से भी ज्यादा हो गया है और वह यहां सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। विराट की इस पारी से भारतीय टीम को लक्ष्य हासिल करने में आसानी हुई। विराट ने यहां पहली बार 2013 में एकदिवसीय खेला था जिसमें वह पहली ही गेंद पर आउट हो गये थे पर इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और यहां लंबी पारियां खेलीं। इसी कारण उनका औसत 100 से ज्यादा हो गया है। धर्मशाला में विराट ने साल 2014 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 127 रन बनाये थे जबकि साल 2016 में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 85 रन बनाये। विराट ने धर्मशाला में अब तक 4 मैचों में कुल 313 रन बनाये हैं। इसमें एक बार वह नाबाद भी रहे थे। उनकी औसत 100 से भी ऊपर है। एकदिवसीय में सबसे अधिक रनों के मामले में विराट चौथे स्थान पर हैं उनके 13437 हैं जबकि 18426 रनों के साथ ही सचिन तेंदुलकर नंबर एक स्थान पर हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम के पास ओलंपिक टिकट हासिल करने एक और अवसर : सविता

अगले साल रांची में होंगे ओलंपिक क्वालीफायर मुकाबले

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई खेलों में हार के कारण 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी है। महिला टीम के पास अब इसका एक और अवसर है। टीम की कप्तान सविता पुनिया ने कहा है कि अगले साल की शुरुआत में अपनी ही धरती पर होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर मुकाबले से भारतीय टीम के पास ओलंपिक टिकट हासिल करने का अवसर होगा क्योंकि अपने घरेलू मैदानों पर टीम को प्रशंसकों का भी समर्थन मिलेगा।

कप्तान ने कहा कि इससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा जो उन्हें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा देगा। हमारी टीम पेरिस 2024 ओलंपिक में अपना स्थान बनाने इन खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार है। इसके अलावा ओलंपिक क्वालीफायर से पहले भारतीय टीम 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक रांची में ही महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी भी खेलेगी। इससे भी टीम को अभ्यास का बेहतर अवसर मिलेगा।

पेरिस ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट अगले साल 13 से 19 जनवरी तक झारखंड के रांची में खेला जाएगा। महिला हॉकी टीम हांग्झोउ एशियाई खेलों में तीसरे स्थान पर रही थी जबकि 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए

क्वालीफाई करने के लिए उसे पहला स्थान हासिल करना था। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने महिला ओलंपिक क्वालीफायर को चीन के चांगझोउ से रांची में स्थानांतरित कर दिया है। चीन की महिला टीम ने एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर सीधे ही ओलंपिक क्वालीफाई कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

गंभीर ने एक बार फिर पूर्व चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन पर निशाना साधा

धर्मशाला । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर अपने बयानों के कारण चर्चाओं में रहते हैं। गंभीर ने अब एक बार फिर पूर्व चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। गंभीर ने विश्वकप में भारत और न्यूजीलैंड मैच की कमेंट्री के दौरान कहा, 2019 का प्रबंधन बेहद खराब रहा था। तब सालभर अंबाती रायुडू को खिलाया और बिना किसी वजह से उन्हें विश्व कप से बाहर कर दिया गया। गंभीर 2007 में टी20 विश्वकप और 2011 में एकदिवसीय एकदिवसीय विश्वकप कप जीतने वाली टीम में शामिल थे। उनकी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल खिताब जीता था। अभी वे लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटॉर हैं। वहीं रायुडू ने भी तब मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद पर भी निशाना साधा था। यहां तक कि उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालांकि बाद में उन्होंने संन्यास वापस ले लिया था पर इसके बाद उन्हें टीम इंडिया की ओर से फिर खेलने का अवसर नहीं मिला। 2019 विश्व कप में रायुडू की जगह विजय शंकर को शामिल किया गया था। शंकर के चुने जाने के बाद प्रसाद ने उन्हें थ्री-डी प्लेयर कहा था। इस पर रायडू ने तंज कसते हुए कहा था कि मैं एक थ्री डी चश्मा ऑर्डर कर रहा हूं।

भारतीय टीम के पास विश्वकप जीतने का अच्छा अवसर : टेलर

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोस टेलर ने कहा है कि भारतीय टीम के पास इस बार विश्व जीतने का अच्छा अवसर है। टेलर के अनुसार भारतीय टीम एक तो अच्छी तय में है और दूसरे उस अपनी धरती पर घरेलू हालातों से भी लाभ मिलेगा। साथ ही कहा कि भारतीय टीम घरेलू प्रशंसकों के बीच खेलने के दौरान पूरी तरह से बदली हुई नजर आती है। इसलिए वह विश्व कप जीतने की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम ने विश्वकप में अपनी शुरुआत भी काफी अच्छी की है। इससे भी उसका मनोबल बढ़ा है। टेलर ने कहा लिखा, 'भारतीय टीम घरेलू हालातों में पूरी तरह से बदली हुई नजर आती है और उन्होंने अपने अभियान का शानदार आगाज किया है। प्रतियोगिता के वर्तमान चरण में वह खिताब की प्रबल दावेदार नजर आती है। भारत ने अभी तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया है। कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अच्छे फॉर्म में हैं जिसका भी लाभ उसे मिलेगा। इसके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह , स्पिनर कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। टेलर ने कहा, 'बुमराह ने बहुत अच्छी तरह से गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभाली है। वहीं स्पिनर कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने का काम किया है। उसके शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों ने अभी तक उपयोगी पारियां खेली हैं। उन्होंने साथ ही कहा, 'आप हमेशा ही अपने शीर्ष क्रम से अच्छे स्कोर की उम्मीद नहीं कर सकते पर अब टीम के पास मध्यक्रम में श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसे अच्छे बल्लेबाज भी हैं , जो दबाव में रन बनाकर टीम को संभाल सकते हैं।

टीम हित में कुछ भी करने को तैयार हूं : शमी

धर्मशाला ।

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय विश्वकप मुकाबले के बाद कहा कि अगर टीम अच्छा कर रही है तो बाहर बैठना भी मुश्किल नहीं है। साथ ही कहा कि जब आपके साथी अच्छा कर रहे हैं तो आपको उनका समर्थन करना चाहिए क्योंकि अंत में जीत ही अहम होती है। शमी को इस विश्वकप के पहले चार मैचों के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी पर पांचवे मैच में जगह मिलने पर उन्होंने कमाल दिखा दिया। शमी ने इस मैच में 5 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के चोटिल होने के कारण शमी को जगह मिली थी जबकि शार्दुल ठाकुर की जगह पर सूर्यकुमार यादव को अंतिम ग्यारह में शामिल किया गया था। शमी ने इस मैच में 54 रन देकर पांच खिलाड़ियों को आउट किया। इस गेंदबाज ने अपने करियर में तीसरी बार पांच विकेट लिए। इसी कारण उन्हें मैन ऑफ द मैच का भी अवार्ड मिला। न्यूजीलैंड से मिले 273 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने 48 ओवर में ही हासिल कर लिया।

शमी ने पुरस्कार समारोह में कहा कि लंबे समय बाद टीम में वापसी करने पर आत्मविश्वास के लिए सफलता हासिल करना जरुरी होता है और इस मैच ने मेरे लिए वही काम किया है। वहीं टीम से बाहर रहने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा की वह टीम के हित में कुछ भी करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि अगर टीम अच्छा कर रही हो तो बाहर बैठना को लेकर भी परेशान नहीं होते।

जब आपके साथी अच्छा कर रहे हैं तो आपको उनका समर्थन करना चाहिए।

लय हासिल करने से मेरा मनोबल बढ़ा : सिराज

धर्मशाला ।

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में केवल एक विकेट मिला पर इस गेंदबाज ने कहा कि उसे अपनी लय मिल गयी है। सिराज ने कहा कि वह पिछले तीन-चार मैच से लय हासिल नहीं कर पा रहे थे। पर अब उन्हें लय मिल गयी है जिससे उनका मनोबल बढ़ा है। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि वह जिस प्रकार की लाइन और लैंथ से गेंदबाजी चाहते थे। वह उसमें सफल रहे हैं। इससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम पर कोई दबाव नहीं था। उन्होंने कहा, 'कोई तनाव नहीं था, ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी अच्छा था और सभी एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं। आपको यह सफलता के रूप में दिख भी रहा है। तनाव लेने की कोई जरूरत नहीं थी, सब अच्छा चल रहा था। सिराज ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों को आजादी है और वे एक दूसरे की सफलता का आनंद उठा रहे हैं। साथ ही कहा कि प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव आते हैं लेकिन एक साथ आगे बढ़ना जरूरी है। अगर किसी का दिन अच्छा नहीं गया तो उसे आत्मविश्वास देना। ड्रेसिंग रूम का यह माहौल काफी अच्छा है। इसका असर मैच के परिणामों में भी दिख रहा है। ऐसी नहीं है कि जिसका प्रदर्शन अच्छा है उसी से बात करेंगे और बाकियों से बात नहीं करेंगे। वहीं खिलाड़ियों की एकजुटता पर सिराज ने कहा, 'जब हम मैदान नहीं होते तो होटल में साथ समय बिताते हैं, लंच करते हैं, स्वीमिंग पूल पर जाते हैं। पूल में रिकवरी करते हैं, गाने सुनते हैं। एक दूसरे से मजाक करते हैं और इसका आनंद उठाते हैं। मैदान के बाहर जो हो रहा है वह भी काफी अहम है। क्योंकि यह विश्व कप है जो चार साल में एक बार आता है, यह द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं है। तीन मैच की श्रृंखला नहीं है जो खत्म हो जाए। अगर विश्व कप जीतना है तो सभी का एकसाथ जुड़ना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'यह प्रक्रिया पिछले काफी समय से चल रही है। विश्व कप को देखते हुए एकदिवसीय टीम के खिलाड़ी आपस में काफी बाते करते थे। हम परिवार से काफी समय दूर रहते हैं तो यही हमारा परिवार है।

पूर्व कप्तान हुसैन ने बताये इंग्लैंड की हार के कारण

लंदन ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने इस बार एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में अपनी टीम की हार के कारणों को बताया है। हुसैन के अनुसार हमारी टीम इस बार के हालातों पर ध्यान देने की जगह पिछले आंकड़ों को ध्यान कर ही खुश होती रही। इंग्लैंड को विश्वप में इस बार केवल एक मैच में ही जीत मिली है जबकि उसे तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इससे उसके लिए सेमीफाइनल की हार भी बेहद कठिन हो गयी है। टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 229 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा जबकि उसके एक मैच में नई टीम अफगानिस्तान ने भी हरा दिया था। इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'इंग्लैंड लगातार गलत फैसले कर रही है। पिछले मैच में हमने टॉस जीता पर लाभ नहीं उठा पाये क्योंकि हमारी टीम का संतुलन सही नहीं था। टीम में तीन बदलाव करने से इंग्लैंड वैसी क्रिकेट नहीं खेल पाया जैसे वह वर्षों से खेलता रहा है। इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के लिए लियाम लिविंगस्टोन, सैम कुरेन और क्रिस वोक्स की जगह बेन स्टोक्स, डेविड विली और गस एटकिंसन को अंतिम एकादश में रखा था। हुसैन ने कहा, 'वोक्स लय में नहीं है और सपाट पिच पर आप उन्हें बाहर करके स्टोक्स को टीम में रखते हैं। मैं इस फैसले से सहमत हूं पर विली और एटकिंसन को शामिल किया जाना सही नहीं था।

मोटरस्पोर्ट्स : केविन क्विंटल ने इंडिया टैलेंट कप 2023 जीता

चेन्नई।

इंडियन टैलेंट कप एनएसएफ250आर मद्रास इंटरनेशनल सर्किट में समाप्त हो गया। ट्रैक पर शानदार कौशल दिखाते हुए केविन क्विंटल ने फाइनल रेस में पहला स्थान हासिल किया और राउंड में दोहरी जीत हासिल की। चेन्नई के 18 वर्षीय खिलाड़ी ने होंडा के असली रेसिंग डीएनए का प्रदर्शन किया और पूरे सीज़न अपनी लय को आगे बढ़ाया। सीज़न के दौरान, केविन ने 9 जीत के साथ दौड़ पूरी की।आईडीईएमआईटीएसयू होंडा इंडिया टैलेंट कप एनएसएफ250आर की अंतिम 8-लैप दौड़ में कड़ी टक्कर हुई।केविन क्विंटल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मजबूत शुरुआत की और तेज गति बनाए रखते हुए 15ः09.312 के कुल समय के साथ लाइन को पार करते हुए पहले स्थान पर रहे। कुल मिलाकर, उन्होंने सीज़न में 175 अंक अर्जित किए। आईडीईएमआईटीएसयू होंडा इंडिया टैलेंट कप एनएसएफ250आर की अंतिम 8-लैप दौड़ में कड़ी टक्कर हुई। केविन क्विंटल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मजबूत शुरुआत की और तेज गति बनाए रखते हुए 15ः09.312 के कुल समय के साथ लाइन को पार करते हुए पहले स्थान पर रहे। कुल मिलाकर, उन्होंने सीज़न में 175 अंक अर्जित किए। दूसरे स्थान के लिए कड़ी लड़ाई में जोहान इमैनुएल, मोहसिन पी और रक्षित दवे थे। पी2 की प्रतियोगिता में जोहान इमैनुएल ने शानदार गति दिखाते हुए सबसे निर्णायक चाल को अंजाम दिया, क्योंकि उन्होंने दूसरे आखिरी लैप में रक्षित डेव से दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने कुल 15ः14.912 के समय के साथ दौड़ पूरी की। तीसरे स्थान के लिए आखिरी लैप और अधिक तीव्र हो गया। मोहसिन पी और रक्षित दवे के बीच कांटे की टक्कर में, मोहसिन पी ने कोई गलती नहीं की और 15ः14.974 के कुल समय के साथ रक्षित से तीसरा स्थान हासिल किया। मोहसिन केवल 0.062 सेकंड के अंतर से दूसरा स्थान पाने से चूक गए। 2023 सीज़न के बारे में बोलते हुए होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के निदेशक योगेश माथुर ने कहा, केविन क्विंटल ने नए रिकॉर्ड बनाए और निरंतरता का प्रदर्शन किया। हमारे अन्य सवारों ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

टीम प्रबंधन ने मेरी बात नहीं मानी : मिस्बाह

लाहौर । विश्वकप में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पूर्व कप्तान पाक टेक्नीकल कमेटी के हेड मिस्बाह उल हक ने कहा कि मैंने एक लेग स्पिनर को टीम में रखे जाने की बात कही थी पर टीम प्रबंधन ने उसे नहीं माना। मिस्बाह ने कहा, मैंने लेग स्पिनर अबरार अहमद को लेकर कहा था कि टीम में एक रहस्यमयी स्पिनर होना चाहिये। विश्वकप में एक टीम से आपको ज्यादा से ज्यादा 2 ही बार खेलना होता है। ऐसे में अबरार को टीम में रखना चाहिए था। हमारी स्पिन गेंदबाजी एशिया कप में भी अच्छी नहीं रही थी पर टीम प्रबंधन और कप्तान पर सब निर्भर करता है कि वे क्या सोचते हैं। अबरार ने अब तक केवल 6 टेस्ट खेले हैं और 38 विकेट लिए हैं। वह बतौर रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल हैं। ऐसे में किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर ही उन्हें 15 सदस्यीय टीम में जगह मिल सकती है. पाक टीम ने पहले 3 मैच में लेग स्पिनर और उप-कप्तान शादाब खान को मौका दिया पर वह विफल रहे। शादाब 3 मैच में 66 की औसत से केवल 2 ही विकेट ले सके। इस दौरान उनकी इकोनॉमी 6.55 की रही। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शादाब की जगह उसामा मीर को अवसर दिया गया पर वह भी प्रभाव नहीं दिखा पाये। एशिया कप 2023 में भी पाकिस्तान की स्पिन गेंदबाजी सामान्य रही भी। टीम को भारत और श्रीलंका दोनों के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद मिस्बाह से लेकर कमेटी में शामिल पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज टीम में बड़े बदलाव के पक्ष में थे। पीसीबी के चेयरमैन जका अशरफ ने खुद यह बात कही थी। . अशरफ ने कहा था कि दोनों दिग्गज टीम में बड़ा बदलाव चाहते थे पर कप्तान बाबर आजम और मुख्य चयनकर्ता इंजमाम उल हक बदलाव के पक्ष में थे। इस कारण हम बदलाव नहीं हो पाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रंग और डिजाइन का रखें ख्याल

आप जब ड्रेसेस खरीदने जाती हैं तो कलर को लेकर आपके मन में एक ऊहापोह सा बना रहता है, इससे बचने के लिए सबसे पहले तो आप ये बात ध्यान दें कि कपड़ा किसके लिए ले रही हैं। यदि आपका अपना रंग डार्क है तो आप लाइट कलर को तवज्जों दें तो आपके लिए बेहतर होगा, लेकिन ऐसा नहीं है कि आप डार्क कलर नहीं पहन सकती हैं।

आप अपने डिजाइनर कलेक्शन में पर्पल, पिंक, पीच और रेड कलर के ड्रेस ले सकती हैं। आपकी पर्सनैलिटी में आपके कपड़ों के रंग के साथ उसके डिजाइन का भी अहम स्थान होता है। इस समय फैशन को लेकर लड़कियों में इंडियन आर्ट् के साथ कढ़ाई वाले ड्रेस साथ में हों, अच्छे कट्स और फिटिंग, यदि इनमें तार और पत्थरों के डिजाइन हों तो और भी अच्छा है। इसके साथ ब्राइट फ्रेश टोन अच्छे हैं। ट्यूनिक ड्रेसेस, इवनिंग गाउन, टॉप, स्कर्ट, लेगिंग्स पैंट और हूडेड जैकेट्स ये आजकल फैशन में हैं। आजकल जींस के साथ शार्ट कुरतों का काफी चलन है, जो आपको फंकी लुक देता है और साथ में आपके अंदर लीडरशिप जैसे गुण भी देता है। इसके साथ ही बफर प्लेटफार्म पहने तो खूब फबेगा और हां, यदि आप चूड़ीदार सलवार की जगह स्लैक्स या जींस ट्राय को अपने पर प्रयोग करें तो काफी आकर्षक और सेक्सी नजर आएंगी। आजकल स्लैक्स का फैशन बाजार में फिर से लौट आया है। हाई वेस्ट कुर्ते और रोल्ड अप स्लीवस के साथ एक खूबसूरत स्टोल आपको एक स्टाइलिश लुक देते हैं। आपकी खूबसूरती आपका कांफिडेंस होता है और ये मिलेगा आपकी थोड़ी सी समझदारी और समझ से, जो आपको अपने दोस्तों के बीच कांफिडेंसिव सुंदरता देता है।

क्या आजमाएं क्या करें एवाइड

आपको गर्मियों में ज्यादा एसेसरीज पहनने से हमेशा बचना चाहिए। ऑक्सीडेंट ज्वैलरी को न पहनें तो ही अच्छा है, इससे आपकी त्वचा पर इंफेक्शन हो सकता है। प्लास्टिक, जूट, लकड़ी की ज्वैलरी पहनें। आप चाहे तो कफ बैंगल्स को भी फैशन में यूज कर सकती हैं। इस समय एक हाथ में मोटे और अलग-अलग स्टाइल के बैंगल्स पहनने का काफी ट्रेंड है। इसमें डेनिम और कॉर्डरॉय के बैग इस समर में आपके स्टाइल को कई गुना बढ़ा सकते हैं। आपकी ये स्टाइल आपको जहां एक नया लुक देगी, वहीं आपको गर्मी के उलझनों से भी मुक्त रखने में सहायक होगी। चढ़ती-जलती धूप में कपड़ों के रंग का भी ख्याल रखना बहुत जरूरी है। गर्मियों में ड्रेस के कलर, कट्स और डिजाइन बिलकुल बदल जाते हैं। हल्के रंगों का महत्व बढ़ जाता है, जिसमें व्हाइट, पिंक, लाइट यलो, लाइट ब्लू रंग खास हैं। वहीं ब्लैक, ब्राउन और ग्रे रंगों को पहनने से बचें। अगर डिजाइन की बात की जाए, तो अंब्रेला, अनारकली, स्टेट जींस, नी-लेंथ कैपरी आदि पहन सकती हैं। हॉल्टेड, बैकलेस नेक भी समर में पहना जा सकता है।

कई कलर्स और डिजाइंस

इंडिगो ब्रदर्स ने इस मौसम के लिए बेहतरीन कलेक्शन लांच किया है। इसमें महिला व पुरुष दोनों के लिए कई तरह की ड्रेसेज लाई गई हैं। ये लाइटवेट हैं और इसमें खासतौर से शर्ट्स व टी- शर्ट में आपको कई कलर्स व डिजाइन मिल जाएंगे। ये डिजाइंस ग्राफिक्स, पैटर्न, स्ट्रिप्स, चेक्स वगैरह में हैं। इंटरनेशनल स्टाइल्स के साथ ही इसमें हाई फैशन, फेमनिन और वोगिस डिजाइंस मिलेंगे।

फैशन इंडस्ट्री अब सबको स्पेशल बनाने की तैयारी में है और वह भी जेब पर भारी पड़े बिना। दरअसल, खास क्लास तक सिमटी यह इंडस्ट्री नए बिजनेस की तलाश में अब मास के लिए भी काम करने लगी है। ऐसे में अब बाजार में कम दामों पर भी डिजाइनर ड्रेसेस मिलने लगी हैं।

फैशन का पॉकेट फ्रेंडली फंडा

फैशन और स्टाइल के मामले में पिछले कुछ समय से यूथ जितना कॉन्शस हुआ है, यह उतना ही अफोर्डेबल हुआ है। डिजाइनर ड्रेसेज अब उतने महंगे नहीं रहे। अब ये बेहद कम प्राइस वाले रेंज में भी मार्केट में उपलब्ध हैं। इसलिए अब ऑफिस, पार्टी से लेकर शादी तक की खास ड्रेस अपने लिए यूनीक चुनी जा सकती है और वह भी अपने पॉकेट के अनुसार। फैशन डिजाइनर्स भी मानने लगे हैं कि उनका कलेक्शन ऐसा हो जो सबकी पहुंच में हो। दिल्ली में हुए फैशन वीक में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां डिजाइनर्स अपने कलेक्शंस की प्राइस रेंज को एक खास बजट में लेकर आ रहे हैं।

क्या है कारण

मंदी ने हर बिजनेस का फंडा ठंडा कर दिया है और इससे उबरने के लिए लोग तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। फैशन भी इससे अछूता नहीं है। मंदी की मार झेल रहे फैशन ने इससे ऊबरने के लिए जोरदार तैयारी कर चुका है। अभी तक एक खास वर्ग के लिए कपड़े डिजाइन करने वाले डिजाइनर्स मिडिल क्लास से जुड़ने की सोच रहे हैं। इसके लिए वे तैयारी भी कर चुके हैं। तमाम डिजाइनर्स इस फंडे पर काम रहे हैं। यही वजह है कि अब डिजाइनर ड्रेसेस की शुरुआती रेंज 3000 से 4000 रुपए के बीच पहुंच गई है।

क्या कहते हैं डिजाइनर्स

फैशन इंडस्ट्री में एक मुकाम बना चुकी डिजाइनर अनुपमा कहती हैं, हर इंडस्ट्री बिजनेस ओरिएंटेड होती है। तमाम फैशन इवेंट्स इसी के लिए काम कर रहे हैं। इतनी बड़ी इंडस्ट्री एक खास क्लास के दम पर नहीं चल सकती। यही वजह है कि डिजाइनर्स अब लोगों के टेस्ट व बजट का ख्याल रखकर काम कर रहे हैं। यंग डिजाइनर सुदेश सोढ़ी कहते हैं कि मास के साथ जुड़ने में ही फैशन इंडस्ट्री को फायदा है, क्योंकि इंडस्ट्री को पैसा यहीं से मिलेगा। वैसे, वह फैशन ट्रेंड को भी इसकी एक वजह बताते हैं। इन दिनों ड्रेसेस में सेपरेट्स का ट्रेंड है। यानी एक बार लेगिंग या ट्राउजर खरीदने के बाद एक्सक्लूसिव कुर्ते, ट्यूनिक्स या शर्ट्स ली जा सकती हैं। बेशक, इस तरह पूरी ड्रेस महंगी नहीं पड़ेगी और आपको एक खास स्टाइल स्टेटमेंट भी मिल जाएगी।

कॉम्पिटीशन

पहले जहां गिने-चुने डिजाइनर्स होते थे, वहीं अब इंडियन फैशन इंडस्ट्री में डिजाइनर्स की काफी संख्या है। इनके आने से कॉम्पिटीशन टफ हुआ है। ऐसे में मार्केट में सरवाइव करने में कॉस्ट फैक्टर बेहद अहम हो जाता है। डिजाइनरों की होड़ से कस्टमर्स का काम आसान हुआ है। डिजाइनर राजीव इस बात से सहमत हैं। वह कहते हैं इस बार फैशन वीक में 141 डिजाइनर्स हिस्सा ले रहे हैं और जाहिर है सभी को बिजनेस चाहिए। इस फेर में फायदा कस्टमर को होगा। अगर किसी डिजाइनर को मास तक पहुंचना है, तो उन्हें खुद की पॉकेट का ख्याल रखना ही पड़ेगा। कुछ का यह भी मानना है कि इंडस्ट्री के पास फिलहाल टारगेट अपर मिडिल क्लास के कस्टमर्स को खुश करना है, दुनिया की निगाहें आज भी भारत के मिडिल क्लास पर टिकी हुई हैं।

क्वॉलिटी फैक्टर

फैशन के इस दौर में सब कुछ साथ साथ नहीं हो सकता। यदि आप चाहते हैं कि आप जो कपड़े पहने, वह डिजानर्स के द्वारा तैयार किया गया हो, क्वालिटी भी बेहतरीन हो और सस्ता भी हो, यह पूरी तरह से सच साबित नहीं हो सकता। आपको कुछ न कु छ तो कंप्रोमाइज करना ही पड़ेगा। डिजाइनर रजनी कहती हैं कि जिस तरह हर फिल्म सभी की पसंद पर खरी नहीं उतरती, उसी तरह हर क्लास के फैशन का टेस्ट भी अलग होगा। अब 5000 रुपए में ड्रेस पर स्पेशल स्वरोस्की वर्क नहीं मिल सकता। हालांकि इसे क्वॉलिटी के साथ कॉम्प्रोमाइज नहीं कहेंगे, क्योंकि डिजाइनर वियर का मतलब ड्रेस के स्पेशल होने से ही होगा। फिर प्रेट लाइन का मतलब ही सभी के लिए स्पेशल रेडी टू वियर की वैरायटी होता है।

आकर्षक दिखने के फेर में त्वचा की शामत

महिलाओं में हमेशा आकर्षक दिखने की चाह रहती है। लेकिन कई बार होता यह है कि आकर्षक दिखने के चक्कर में वह इतनी क्रीमें या अन्य प्रसाधन बदल लेती हैं कि चेहरे का आकर्षण बढ़ने की बजाय कम हो जाता है। आकर्षक चेहरे के लिए पहली आवश्यकता है, ताजगी से भरपूर साफ व सुंदर त्वचा। आज महिलाएं स्वस्थ व कोमल त्वचा के प्रति जागरूक हो गई हैं और त्वचा की कांति बरकरार रखने के लिए किसी जादुई क्रीम की तलाश में हैं। क्रीम खरीदने की इच्छुक महिलाओं को तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है-

- वे महिलाएं जो उत्पादकों के लंबे-चौड़े वादों को झूठा मानती हैं किन्तु हिचकते हुए क्रीम खरीदती हैं।
- वे महिलाएं, जो किसी भी नई क्रीम का नाम सुनते ही उसे इस आशा में खरीद लेती हैं कि शायद इसी से उनका चेहरा आकर्षक बन जाए।
- ऐसी महिलाएं, जो क्रीम की अधिक कीमत को ही उसके असरदार होने की गारंटी मान लेती हैं।

आप इन तीनों में से किसी भी प्रकार की ग्राहक क्यों न हों, वास्तविकता यह है कि कोई भी क्रीम, जो आप लगाती हैं, आपके चेहरे पर असर तो करती ही है क्योंकि हर क्रीम पानी की नमी को बरकरार रख कर त्वचा को सूखने से बचाती है। ज्ञातव्य है कि महिलाओं के चेहरे पर उम्र के लक्षण पैदा करने में सूखी त्वचा ही सबसे अधिक गुनाहगार साबित होती है। आप देखेंगी कि अकसर सौंदर्य विशेषज्ञ किसी एक क्रीम का विज्ञापन करते नजर आते हैं पर लगभग सभी इस बात से सहमत हैं कि कुछ तत्व ऐसे होते हैं, जिनसे कोई भी क्रीम अधिक असरदार हो जाती है, वे तत्व इस प्रकार हैं-

(सेरामाइड)- सेरामाइड स्वाभाविक रूप से त्वचा के कोषों को आपस में जोड़े रखता है, तथा त्वचा को लटकने से बचाता है।

(अल्फा हाइड्रोसी एसिड)- यह दूध, फल और गन्ने से बनाया जाता है पर अब इस का सिंथेटिक उत्पादन भी शुरू हो गया है। इससे त्वचा में चमक और कोमलता आती है। यह त्वचा की कोशकीय गतिविधि को बढ़ा कर उसकी नमी बरकरार रखने की क्षमता में वृद्धि करता है। झुर्रियों के इलाज के लिए ग्लाइकोलिक और लेक्टिक एसिड सबसे असरदार होते हैं। लेकिन एएचए के अधिक प्रयोग से त्वचा की परतें उखड़ने लगती हैं। सूर्य की किरणों के प्रति भी त्वचा अधिक संवेदनशील हो जाती है इसलिए याद रखें कि इसका प्रयोग सप्ताह में एक या दो बार ही करना चाहिए।

(विटामिन)- विटामिन ए से त्वचा की नमी बढ़ती है। विटामिन बी-5 त्वचा की कंडीशनिंग कर उसको मुलायम बनाता है। एंटीआक्सीडेंट ई से भी त्वचा को विशेष लाभ पहुंचता है।

(सनस्क्रीन)- त्वचा को रोजमर्रा में यूवीए और यूवीबी किरणों से बचाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक तत्व है। त्वचा को सुंदर और आकर्षक बनाए रखने के लिए निम्न हिदायतों पर गौर किया जा सकता है- त्वचा की देखभाल ध्यान से करें क्योंकि झुर्रियों के लक्षण नजर आते ही अनेक महिलाएं घबरा जाती हैं और तरह-तरह की क्रीमों का प्रयोग करने लगती हैं। वैसे क्रीमों का प्रयोग अगर अधिक मात्रा में किया जाए तो उससे त्वचा के प्राकृतिक उत्पादनों में कमी आ जाती है। इससे त्वचा रूखी और बेजान होने लगती है और झुर्रियां भी बढ़ने लगती हैं।

सौंदर्य विशेषज्ञों की सलाह है कि सौंदर्य प्रसाधनों का अत्यधिक प्रयोग करना हानिकारक होता है। यदि आपकी त्वचा ज्यादा तैलीय नहीं है तो टोनर के प्रयोग से बचना चाहिए। चेहरे पर गुनगुने पानी के छींटे मारने से भी त्वचा साफ हो जाती है। अगर आप त्वचा को पानी से धोना पसंद करती हैं तो साबुन रहित क्लींजर का प्रयोग करें। वैसे क्रीम क्लींजर सबसे अधिक असरदार होते हैं। मुलतानी मिट्टी व चंदन का लेप करने से भी काफी फायदा होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने अपनी कैबिनेट में पहला फेरबदल किया

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने सोमवार को अपनी कैबिनेट में पहला फेरबदल करते हुए दो मंत्रियों के विभाग बदल दिए। उन्होंने विपक्ष की इस आलोचना के बीच यह कदम उठाया है कि उनकी योजना नकदी संकट से जूझ रहे देश में अगले साल होने वाले चुनावों को स्थगित करने की है। स्वास्थ्य मंत्री केहेलिया रामबुकवेला को अब पर्यावरण विभाग का जिम्मा सौंपा गया है। उनके कामकाज के तरीके को लेकर कई हफ्तों से जनता में असंतोष था। रामबुकवेला (69) के खिलाफ अक्षमता, भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए विपक्ष ने संसद में उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी पेश किया था लेकिन वह उसमें बच गए थे। रामबुकवेला ने दो सप्ताह पहले एक भारतीय कंपनी द्वारा कथित तौर पर घटिया दवा की आपूर्ति के मामले में पुलिस जांच का आदेश दिया था। लेकिन भारतीय कंपनी ने श्रीलंकाई आयातक को ऐसी कोई आपूर्ति से इनकार किया था। पर्यावरण मंत्रालय विक्रमसिंघे के पास था जब अदालत के आदेश के बाद उन्हें संसद सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। स्वास्थ्य मंत्रालय अब डॉक्टर रमेश पथिराना को सौंपा गया है जो उद्योग मंत्रालय का जिम्मा भी देख रहे हैं। विपक्ष के दावे के बीच विक्रमसिंघे ने रविवार को जोर दिया कि राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव संवैधानिक बाध्यतों के तहत अगले साल होंगे।

न्यूजीलैंड के केरमाडेक द्वीप समूह पर भूकंप के झटके

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के केरमाडेक द्वीप समूह में मध्यम भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.3 मापी गयी। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्थानीय समयानुसार सोमवार करीब सुबह 08-03 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 मापी गयी। भूकंप का केंद्र जमीन से 10.0 किमी की गहराई में 29.91 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 177.30 डिग्री पश्चिम देशांतर में था। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

हॉलीवुड हस्तियों ने बाइडेन से इजरायली-फिलिस्तीनी हिंसा को रोकने की अपील की

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को हॉलीवुड हस्तियों ने एक खुला पत्र लिखकर बढ़ती इजरायली-फिलिस्तीनी हिंसा को रोकने में मदद करने का आह्वान किया है। पत्र में कहा गया है, हम चाहते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में, आप एक और जान जाने से पहले गाजा और इज़रायल में तत्काल तनाव कम करने और युद्धविराम का आह्वान करें। यह पत्र हाई-प्रोफाइल हॉलीवुड सितारों, कलाकारों, मशहूर हस्तियों और राजनीतिक अधिवक्ताओं के गठबंधन आर्टिस्ट4 सीजफायर द्वारा जारी किया गया। रविवार दोपहर तक 95 मशहूर हस्तियों ने इस खुले पत्र पर हस्ताक्षर किए। पत्र में कहा गया, सभी जीवन पवित्र हैं, चाहे आस्था या जातीयता कुछ भी हो। हम फ़िलिस्तीनी और इज़रायली नागरिकों की हत्या की निंदा करते हैं। पत्र में कहा गया, मानवीय सहायता को उन तक पहुंचने की अनुमति दी जानी चाहिए। पत्र में यूनिसेफ के प्रवक्ता जेम्स एल्डर के हवाले से कहा गया हवाई हमलों और सभी आपूर्ति मार्गों में कटौती के बाद, गाजा में बच्चों और परिवारों के पास भोजन, पानी, बिजली, दवा और अस्पतालों तक सुरक्षित पहुंच व्यावहारिक रूप से खत्म हो गई है।

बच्चे हमले में मारे जाएं तो पहचानने के लिए टैंटू बनवा रहे पेरेंटस

तेल अवीव। इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध में सैकड़ो लोग मारे गए हैं। जिसमें कई बच्चों की मौत हो गई और कई लापता हैं। ऐसे में बच्चों के शवों को पहचानने में दिक्कत आ रही है। इसके लिए माता पिता अपने बच्चों के शरीर पर टैंटू बनवाने को मजबूर हो रहे हैं ताकि उनकी मौत हो तो उन्हे आसानी से पहचाना जा सके। आंकड़े बता रहे हैं कि जारी संघर्ष में 5 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बच्चों के हाथों और पैरों पर अरबी में उनके नाम गुदवाए जा रहे हैं। कुछ वायरल वीडियोज में नजर आ रहा है कि चार बच्चों की संघर्ष में जारी बमबारी में मौत हो गई थी। इनमें सभी चारों बच्चे मुर्दाघर में लेटे हुए नजर आ रहे हैं, जहां उनके पैरों पर नाम गुदे हुए हैं। फिलहाल, यह साफ नहीं है कि इन बच्चों के माता-पिता जीवित हैं या नहीं। कहा जा रहा है कि मौजूदा हालात में यह प्रक्रिया बेहद आम हो गई है। वीडियोज में नजर आ रहा है कि अस्पतालों में बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। बच्चों समेत कई घायल कॉरिडोर में लेटे हुए हैं ।गाजा में विभिन्न ठिकानों पर हमले के साथ सीरिया में दो हवाई अड्डों और वेस्ट बैंक में एक मस्जिद को निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल आतंकी कर रहे थे। इसके साथ ही, हमास के खिलाफ इजरायल का दो सप्ताह से जारी युद्ध अन्य मोर्चों पर भी भड़कने की आशंका है। कई दिनों से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इजरायल सात अक्टूबर के हमास के अप्रत्याशित हमले की प्रतिक्रिया के रूप में गाजा में जमीनी आक्रमण शुरू करने की तैयारी में है। सीमा पर टैंक और हजारों सैनिक लामबंद हो चुके हैं। इजरायली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हागेरी ने कहा कि देश ने गाजा में हवाई हमलों को बढ़ा दिया है, ताकि युद्ध के अगले चरण में सैनिकों के लिए जोखिम कम हो सके।

बांग्लादेश में ट्रेन टक्कर में कम से कम 8 मरे, कई फंसे

ढाका। बांग्लादेश में कंटेनर और यात्री ट्रेन की टक्कर में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कई घायल क्षतिग्रस्त डिब्बों के नीचे पड़े हैं। किशोरगंज में एक यात्री ट्रेन और मालगाड़ी की टक्कर में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना तब हुई जब राजधानी ढाका से लगभग 80 किलोमीटर दूर भैरब में एक यात्री ट्रेन एक मालगाड़ी से टकरा गई। स्थानीय मीडिया ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि दुर्घटना में कई लोगों के घायल होने की आशंका है, जिन्होंने बताया कि कई लोग ट्रेन के नीचे फंसे हुए हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कई घायल क्षतिग्रस्त डिब्बों के नीचे पड़े हुए हैं। रॉयटर्स ने बताया कि अग्निशमन सेवा कर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। समाचार एजेंसी के अनुसार, स्थानीय पुलिस अधिकारी सिराजुल इस्लाम ने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि बचाव अभियान जारी है।

यदि नाम बदल ले तो...ट्विटर के बाद विकिपीडिया की बारी? एलन मस्क ने दिया ये ऑफर

लंदन। स्पेसएक्स और टेस्ला के मालिक एलन मस्क एक बार फिर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस बार, यह किसी नए बिजनेस को लेकर नहीं बल्कि विकिपीडिया को दी गई एक मनोरंजक पेशकश को लेकर। ट्विटर पर अपने नियमित पोस्ट के लिए जाने जाने वाले मस्क ने एक असामान्य प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि वह विकिपीडिया को 1 अरब डॉलर की भारी भरकम राशि देंगे, लेकिन इसमें एक दिक्कत थी। उन्हें अपना नाम बदलकर 'डिकिपीडिया' करना पड़ा। मस्क अपनी चुटीली हास्य के लिए जाने जाते हैं। जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, इसने दुनिया भर के ट्विटर उपयोगकर्ताओं का ध्यान खींचा। एक उपयोगकर्ता ने विकिपीडिया को इसके लिए प्रोत्साहित किया, और मस्क ने एक और मोड़ जोड़ा। उन्होंने कहा कि उन्हें नाम कम से कम एक साल तक रखना होगा। उन्होंने चुटीली टिप्पणी करते हुए कहा कि मेरा मतलब है, मैं मूर्ख नहीं हूं। मस्क ने विकिपीडिया के मुखपृष्ठ का एक स्क्रीनशॉट भी साझा किया, जहाँ लिखा कि विकिपीडिया बिक्री के लिए नहीं है और जिमी वेल्स की एक व्यक्तिगत अपील प्रदर्शित की गई। उन्होंने सवाल किया कि विकिमीडिया फाउंडेशन को इतने पैसे की आवश्यकता क्यों है, जबकि विकिपीडिया का पूरा पाठ एक स्मार्टफोन पर फिट हो सकता है।

दिल्ली में इजराइल दूतावास के पास प्रदर्शन, वामपंथी छात्र संगठन ने निकाली फिलिस्तीन समर्थक रैली

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी मीडिया ने बताया कि ईरानी रिवोल्यूशनरी कोर्ट ने पिछले साल कुर्दिश-ईरानी महसा अमिनी की हिरासत में हुई मौत की कवरेज के लिए दो पत्रकारों को वर्षों की जेल की सजा सुनाई। पिछले सितंबर में कथित तौर पर इस्लामिक ड्रेस कोड का उल्लंघन करने के आरोप में नैतिकता पुलिस की हिरासत में 22 वर्षीय अमिनी की मौत ने पूरे ईरान में कई महीनों तक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया था, जो दशकों में ईरान के मौलवी नेताओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने कहा कि निलोफर हामेदी और इलाहे मोहम्मदी को अमेरिकी सरकार के साथ सहयोग करने और राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ काम करने सहित आरोपों में क्रमशः 13 और 12 साल जेल की सजा सुनाई गई। दोनों महिलाओं के वकीलों ने आरोपों को खारिज कर दिया है।

शत्रुतापूर्ण अमेरिकी सरकार के साथ सहयोग करने के लिए उन्हें क्रमशः सात साल और छह साल मिले। फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ काम करने के लिए हर पांच साल की जेल और व्यवस्था के खिलाफ दुष्प्रचार के लिए हर एक साल की जेल, आईआरएनए ने बताया। हमीदी को तब हिरासत में लिया गया था जब उसने तेहरान के एक अस्पताल में अमिनी के माता-पिता की एक-दूसरे को गले लगाते हुए तस्वीर ली थी, जहां उनकी बेटी कोमा में पड़ी थी, और मोहम्मदी को उसके कुर्दिश गृहनगर साकेज़ में अमिनी के अंतिम संस्कार को कवर करने के

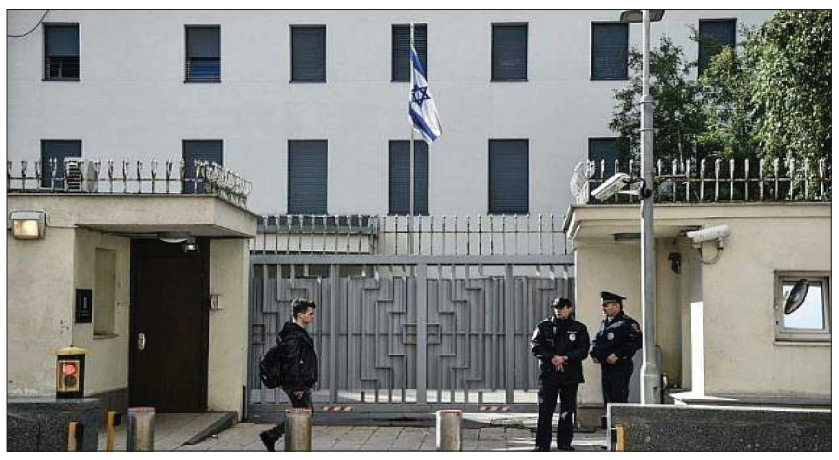

बाद हिरासत में लिया गया था, जहां विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था।

ईरान के उप विशेष दूत अब्राम पाले ने सोशल मीडिया पर कहा कि कभी जेल नहीं जाना चाहिए था और हम उनकी सजा की निंदा करते हैं। ईरानी शासन पत्रकारों को जेल में डालता है क्योंकि वह सच्चाई से डरता है। यदि पुष्टि की जाती है, तो न्यायपालिका की मिज़ान समाचार एजेंसी के अनुसार महिलाओं ने पहले ही एविन जेल में जो समय बिताया है, वह सजा से काट लिया जाएगा, जहां अधिकांश राजनीतिक कैदी बंद हैं। पिछले साल अक्टूबर में ईरान के खुफ़िया मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में मोहम्मदी और हामेदी पर संयुक्त राज्य अमेरिका की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के एजेंट होने का आरोप लगाया गया था। मिज़ान ने बताया कि अमेरिकी सरकार से जुड़ी कुछ संस्थाओं और व्यक्तियों के साथ हमीदी और मोहम्मदी के जानबूझकर संबंधों के दस्तावेज़ी सबूत हैं। और इजरायल की रक्षा एजेंसी की तरफ से मोाद को कानूनी जानकारी के लिए बभेज दिया गया। इस बाबत इजरायरल की सरकार ने बताया कि हमास से जुड़े संगठनों की तरफ से लगातार ये. बात कही जा रही है.

'आयरन स्टिंग' मोर्टार से हमास के ठिकाने नेस्तनाबूद, इजरायली सेना ने जारी किया वीडियो

तेल अवीव। इज़राइली वायु सेना ने हाई-टेक आयरन स्टिंग प्रणाली का फुटेज जारी किया, क्योंकि यह पहली बार परिचालन उपयोग में आया था। विशेष रूप से, इज़राइल रक्षा बल (आईडीएफ) मैगलन इकाई ने गाजा पट्टी में हमास के रॉकेट लॉन्चरों को निशाना बनाने और दर्जनों आतंकवादियों को विफल करने के लिए अभिनव हथियार का इस्तेमाल किया। मैगलन यूनिट ने वायु सेना के सहयोग से स्टील स्टिंग नामक एक अभिनव और सटीक मोर्टार बम सहित विभिन्न हथियारों का उपयोग करके दर्जनों आतंकवादियों को विफल कर दिया। इज़राइली वायु सेना ने वीडियो के साथ एक्स पर पोस्ट किए गए #स्टील स्टिंगर# का उपयोग करके रॉकेट लॉन्चर पर हमले का दस्तावेज़ीकरण देखें। वीडियो में 120 मिमी मोर्टार को दुश्मन के रॉकेट लॉन्चर को नष्ट करते हुए दिखाया गया है। आयरन स्टिंग एक 120 मिमी मोर्टार युद्ध सामग्री है जो लेजर और जीपीएस मार्गदर्शन दोनों से सुसज्जित है और इसकी सीमा 1-12 किमी है। इसे एल्बिट सिस्टम्स द्वारा विकसित किया गया था और पहली बार 2021 में रक्षा मंत्रालय, आईडीएफ ग्राउंड फोर्सेज और एल्बिट द्वारा इसका खुलासा किया गया था। जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, मोर्टार को खुले इलाके और शहरी वातावरण दोनों में उपयोग के लिए डिज़ाइन किया गया है, जबकि गैर-लड़ाकों के घायल होने की संभावना को कम करने के लिए इसके सटीक लक्ष्य का उपयोग किया जाता है। सिस्टम विकसित करने वाले एल्बिट सिस्टम्स ने 2021 की एक समाचार विज्ञप्ति में कहा, इसके परिचालन उपयोग से जमीनी युद्ध में क्रांति आ जाएगी और बटालियनों को जैविक, सटीक और प्रभावी मारक क्षमता से लैस किया जाएगा। मैगलन के फॉर्मेशन कमांडर मेजर जनरल ओमर कोहेन ने कहा, 'लड़ाकों की सटीकता, घातकता और विशेषज्ञता के लिए धन्यवाद, मैगलन यूनिट ने वायु सेना के सहयोग से दर्जनों आतंकवादियों को विभिन्न तरीकों से नाकाम कर दिया, जिनमें से एक 'परिशुद्ध आईईडी आयरन स्टिंग है।

बीच समुंदर चीन की बदमाशी, अमेरिका ने कहा- ये उकसाने वाली कार्रवाई

लाहौर (एजेंसी)। हमास की वजह से मीडिल ईस्ट में सबकुछ ठीक नहीं है और इधर चीन ने साउथ चाइना सी में माहौल गर्माने की पूरी कोशिश की है। चाइनीज कोस्ट गार्ड ने फिलिपींस के मालवा जहाज को टक्कर मार दी। फिलिपींस का आरोप है कि चीनी कोस्ट गार्ड ने न केवल उनका रास्ता रोका बल्कि उसे टक्कर भी मारी। चीन की तरफ से कहा गया है कि फिलिपींस जानबूझकर समुद्र में परेशानी कर रहा है। दरअसल, फिलिपींस अमेरिका का करीबी है। अमेरिका साउथ चाइना सी पर चीन की दावेदारी का पूरा विरोध करता है।

अमेरिका और दुनिया को संदेश देने के लिए चीन इस तरह की हरकत कर रहा है। फिलिपींस में अमेरिकी एम्बेसेडर मैरीके कार्लसन ने सोशल मीडिया पर कहा कि हम इस घटना की निंदा करते हैं। इस टक्कर में फिलिपीन्स के क्रू मेंबर्स की जान भी जा सकती थी। हम फिलिपींस की मदद के लिए कुछ और कदम उठाने जा रहे हैं। साउथ चाइना सी में चीन का कई देशों के साथ समुद्री सीमा का विवाद है। इनमें फिलिपींस के अलावा वियतमान, मलेशिया, ताइवान और ब्रुनेई शामिल है। अब यहां अमेरिकी नेवी की मौजूदगी भी है। लिहाजा, ये किसी भी वक्त बड़े सैन्य टकराव मे बदल सकती है। अगस्त में चीन ने फिलिपींस के दो जहाजों पर वॉटर कैनन से हमला किया था।

देखते रह गए बाइडेन-पुतिन, फिलिस्तीन में भारत ने उतार दिया अपना विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच युद्ध जारी है। इजरायली घेराबंदी के बीच मानवीय सहायता के साथ 20 ट्रक गाजा पट्टी में दाखिल हुए। उधर, भारत ने भी जंग से कराह रहे फिलिस्तीन के लिए बड़ा दिल दिखाते हुए फूड आइटम्स और दवाओं से भरा प्लेन भेजा है। भारत ने बढ़ते नागरिक हताहतों पर चिंता व्यक्त करते हुए अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के महत्व को रेखांकित करते हुए और एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलिस्तीन राज्य के लिए अपने लंबे समय से चले आ रहे समर्थन को दोहराते हुए हमास आतंकवाद के मुद्दे पर इज़राइल को अपने समर्थन को संतुलित करने की कोशिश की है। राष्ट्रपति महमूद अब्बास के साथ बातचीत में पीएम मोदी ने उनसे कहा था कि भारत फिलिस्तीन को मानवीय सहायता देना जारी रखेगा। भारत की सहायता एक क्षण भी जल्दी नहीं आई है क्योंकि अरब दुनिया, पश्चिम और यहां तक कि बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी भी फिलिस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता के लिए आगे आए हैं। भारत ने निकट पूर्व में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत

और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) में अपने योगदान के माध्यम से फिलिस्तीन का समर्थन किया है। भारत 2020 से इसके सलाहकार आयोग का सदस्य है।

एक अधिकारी ने कहा कि भारत ने 2018 में यूएनआरडब्ल्यूए में अपना वार्षिक योगदान 1.2 मिलियन डॉलर से बढ़ाकर 5 मिलियन डॉलर कर दिया। 2002 से भारत ने 2022-23 तक यूएनआरडब्ल्यूए में कुल 36.5 मिलियन डॉलर का योगदान दिया है।

ऋषि सुनक की सुरक्षा में बड़ी चूक, ऑनलाइन लीक हो गया पर्सनल मोबाइल नंबर

लाहौर (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का निजी मोबाइल नंबर हाल ही में कथित तौर पर ऑनलाइन लीक हो गया था। यह घटना तब सामने आई जब इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर फोन बजने और सुनक के ध्वनि मेल संदेश का जवाब देने वाला एक ऑडियो क्लिप पोस्ट किया। द सन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, डाउनिंग स्ट्रीट या यूके के प्रधान मंत्री कार्यालय ने इसे सुरक्षा मुद्दा बताते हुए इस मामले पर टिप्पणी करने से परहेज किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऋषि सुनक के पास यह मोबाइल नंबर वर्षों से है, जिसमें चांसलर के रूप में उनका कार्यकाल और पिछले साल नेतृत्व चुनाव के दौरान भी शामिल है। लगभग एक साल पहले जब सुनक ने पदभार संभाला था तो कथित तौर पर उन्हें एक अलग नंबर सौंपा गया था। हालाँकि, हाल ही में ऑनलाइन सामने आए एक वीडियो से पता चलता है कि मूल व्यक्तिगत नंबर सक्रिय रहा। ऋषि सुनक ने कहा कि वह इन संदेशों का बैकअप लेने में विफल रहे और उन्होंने कई बार फोन स्विच किया, जिससे वह उन तक पहुंचने में असमर्थ हो गए।

किसी प्रधानमंत्री का फ़ोन नंबर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होने का यह पहला उदाहरण नहीं है। मई 2021 में, बोरिस जॉनसन को सुरक्षा चिंताओं के कारण अपने निजी फोन का उपयोग बंद करने की सलाह दी गई थी, जब यह पता चला कि उनका नंबर 15 वर्षों से खुले तौर पर ऑनलाइन उपलब्ध था। इससे कोविड-19 जांच के लिए उनके संदेशों को पुनः प्राप्त करने की एक जटिल प्रक्रिया शुरू हो गई, जो जॉनसन द्वारा अपना पासकोड भूल जाने के कारण और भी जटिल हो गई।

अमेरिका में सिखों के खिलाफ घृणा अपराध की हालिया घटनाओं से दुखी और परेशान हूं : भारतवंशी मेयर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क और अमेरिका के अन्य हिस्सों में सिखों के खिलाफ घृणा अपराध की हालिया घटनाओं को नफरत एवं हिंसा का ''निंदनीय'' कृत्य बताते हुए अमेरिकी प्रांत न्यूजर्सी के होबोकेन शहर के मेयर ने देश में अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ बढ़ते घृणा अपराधों पर रविवार को चिंता व्यक्त की।

मेयर रवि एस भल्ला ने कुछ दिन पहले खुलासा किया था कि उन्हें कई ऐसे पत्र मिले हैं, जिनमें उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी गई है। 'सीबीएस न्यूज' की मंगलवार की रिपोर्ट के अनुसार, भल्ला को पिछले साल जो पत्र मिले थे, उनमें पहले उनसे इस्तीफा देने के लिए कहा गया था, लेकिन बाद में सिख धर्म से जुड़े होने के कारण उन्हें निशाना बनाते हुए उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी जाने लगी। भल्ला ने कहा, ''मैं घृणा अपराध की हालिया घटनाओं से परेशान और दुखी हूं, जिन्होंने रिचमंड हिल, न्यूयॉर्क में सिख समुदाय को हिलाकर रख दिया है, जहां एक सिख व्यक्ति पर हमला किया गया, उसकी पगड़ी को जबरन हटाने का प्रयास किया गया और एक अन्य वरिष्ठ सिख व्यक्ति के साथ दुर्व्यवहार किया गया।'' भल्ला ने कहा, ''दोनों सिख नागरिकों पर हिंसक हमला हुआ और चोटों के कारण उनकी मौत हो गई।'' न्यूयॉर्क में बुधवार को एक शटल बस में यात्रा के दौरान पगड़ी पहनने पर 19 वर्षीय सिख लड़के पर हमला किया गया, जिससे वह घायल हो गया। बाद में इस मामले में 26 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया और उस पर हमले के लिए घृणा अपराध का आरोप लगाया गया। अमेरिका के एकमात्र सिख मेयर भल्ला ने कहा, ''नफरत और हिंसा के ये निंदनीय कृत्य एकता, विविधता और स्वीकार्यता के हमारे साझा अमेरिकी मूल्यों पर हमला हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस वक्त यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने दोस्तों और पड़ोसियों के बीच समझ और करुणा का माहौल बनाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए एक साथ आएं।

तीसरा बीआरएफ फोरम, कितनी कामयाब रही जिनपिंग की कूटनीति?

बीजिंग (एजेंसी)। बीजिंग में हुए तीसरे बेल्ट एंड रोड फोरम (बीआरएफ) से पहले चीनी विदेश मंत्रालय हमेशा उन विश्व नेताओं के नाम साझा करने के लिए उत्सुक था जो फोरम में भाग लेंगे। इसमें केवल इतना कहा जाएगा कि अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों सहित 130 से अधिक वैश्विक नेता भाग लेंगे। बीआरएफ के निष्कर्ष के बाद, यह अब कोई रहस्य नहीं रह गया है कि बीजिंग इस जानकारी को साझा करने में क्यों आनाकानी कर रहा था। चीन द्वारा प्रचारित 130 वैश्विक नेताओं में से, विभिन्न देशों के केवल 22 राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों ने मंच में भाग लिया। हालांकि एक पूर्ण संख्या के रूप में यह महत्वहीन नहीं लग सकता है, लेकिन चीन द्वारा आयोजित पहले दो मंचों में वैश्विक नेताओं की भागीदारी की तुलना में यह कम है। इसे शी की एक प्रमुख परियोजना के रूप में देखा जाता है जिसमें उन्होंने काफी व्यक्तिगत प्रभाव और राजनीतिक पूंजी का निवेश किया है।

दक्षिण - पूर्व एशिया- वैश्विक नेताओं की उपस्थिति का एक और महत्वपूर्ण पहलू दक्षिण-पूर्व एशिया से कम भागीदारी है। क्षेत्र के सभी 11 देशों - दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के 10 सदस्यों और पूर्वी तिमोर (जिसके 2025 में आसियान का सदस्य बनने की संभावना है) ने बीआरआई परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। 11 देशों में से सात नेताओं ने पहले बीआरएफ में भाग लिया; 10 आसियान में से नौ ने दूसरे बीआरएफ में भाग लिया। लेकिन इस साल, आसियान के केवल आधे सदस्यों ने ही अपने राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों को भेजा- कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, थाईलैंड और वियतनाम।

दक्षिण पूर्व एशियाई राज्यों में से मलेशिया, म्यांमार और फिलीपींस ने इस वर्ष शीर्ष नेता नहीं भेजे। म्यांमार की अनुपस्थिति का कारण स्पष्ट है। ऐसा प्रतीत होता है कि फिलीपींस की गैर-उपस्थिति स्पष्ट रूप से दक्षिण चीन सागर पर चीन के साथ नए सिरे से तनाव के कारण है; मलेशिया की गैर-उपस्थिति भ्रामक है, लेकिन इसे दक्षिण चीन सागर में विवादों के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, खासकर चीन द्वारा हाल ही में एक मानक मानचित्र जारी करने के मद्देनजर जिसमें उसने पूरे दक्षिण चीन सागर को चीनी जल-निकाय क्षेत्र के रूप में दिखाया है।

अफ्रीका- यह भी दिलचस्प बात है कि अफ्रीका के 54 राज्यों में से केवल पांच ने बीआरएफ में भाग लिया। इनमें मिस्र के प्रधानमंत्री, इथियोपिया के प्रधानमंत्री, केन्या के राष्ट्रपति, मोज़ाम्बिक के प्रधानमंत्री और कांगो गणराज्य के राष्ट्रपति। यह वही संख्या है जो 2019 में अफ्रीका से फोरम में शामिल हुई थी, हालांकि मिस्र और मोज़ाम्बिक दोनों का प्रतिनिधित्व पिछली बार उनके अधिक शक्तिशाली राष्ट्रपतियों ने किया था, जबकि इस बार प्रधानमंत्रियों ने। बीआरआई परियोजनाओं पर हस्ताक्षर करने वाले अफ्रीका के देशों की संख्या उनमें से 50 से अधिक और बीआरएफ में भाग लेने के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया देने वाले देशों के बीच एक बड़ा अंतर है।

अन्य- ऐसा ही एक अस्पष्ट अंतर पश्चिम एशिया में मौजूद है जहां इज़राइल और जॉर्डन को छोड़कर सभी देशों ने बीआरआई पर हस्ताक्षर किए हैं। फिर भी केवल संयुक्त अरब अमीरात ने कभी किसी शीर्ष नेता को बेल्ट एंड रोड फोरम (2019 में एक बार) में भेजा है। इजराइल में उथल-पुथल के बीच यूएई ने इस साल अपना प्रतिनिधित्व घटाकर अपने सुप्रीम कार्उंसिल के सदस्य सऊद बिन सकर अल कासिमी को कर दिया। मध्य अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र के किसी भी देश ने कभी भी बेल्ट एंड रोड फोरम में राज्य या सरकार के प्रमुख को नहीं भेजा है, भले ही क्षेत्र के 13 राज्य इस पहल का हिस्सा हैं। दक्षिण अमेरिका से केवल अर्जेंटीना और चिली ने राष्ट्रपति के स्तर पर भाग लिया।

गोपनीय जानकारी लीक मामले में इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी पर आरोप तय किए गए

वाशिंगटन (एजेंसी)। इस्लामाबाद, 23 अक्टूबर (वेब वार्ता)। पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने गोपनीय राजनयिक दस्तावेज (सिफर) लीक करने और देश के गोपनीयता कानून का उल्लंघन करने से जुड़े मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी पर सोमवार को आरोप तय किए।

इमरान (71) को पिछले साल मार्च में वाशिंगटन स्थित पाकिस्तानी दूतावास द्वारा भेजे गए एक गुप्त राजनयिक दस्तावेज (सिफर) को लीक करके आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने के आरोप में मामला दर्ज होने के बाद इस वर्ष अगस्त में गिरफ्तार किया गया था।

इमरान के वकील उमैर नियाजी ने मीडिया से कहा कि उनके मुवक्किल ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने बताया कि निचली अदालत के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाएगी।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख इमरान ने उक्त दस्तावेज का इस्तेमाल यह बताने के लिए किया था कि उनकी सरकार एक विदेशी साजिश के परिणामस्वरूप गिरा दी गई थी। विशेष अदालत के न्यायाधीश अबुल हसनत जुल्करनैन ने रावलपिंडी की अडियाला जेल में मामले की सुनवाई की। आरोप तय किए जाने के बाद विशेष अदालत ने कार्यवाही 27 अक्टूबर तक के लिए टाल दी, जब वह औपचारिक रूप से मामले की सुनवाई शुरू करेगी।

संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के विशेष अभियोजक शाह खावर ने मीडिया से कहा, 'चूंकि, आज की सुनवाई में सिर्फ आरोप तय किए जाने थे, इसलिए आदेश खुली अदालत में पढ़ा गया।' वहीं, नियाजी ने कहा कि इमरान ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पीटीआई प्रमुख के हवाले से कहा कि उनके (इमरान) खिलाफ साजिश रची गई, उनकी सरकार गिरा दी गई और जिस बैठक पर सवाल उठाए जा रहे हैं, उसका कोई ब्योरा उपलब्ध नहीं है।

नियाजी ने कहा कि इमरान को 'लंदन प्लान' के बारे में पहले से ही पता है, जिसका मकसद पीटीआई को 'खत्म' करना है। उन्होंने आरोप लगाया, 'नवाज शरीफ अंपायर के साथ मिलकर खेलते हैं। वह तब तक चुनाव नहीं लड़ सकते, जब तक उन्हें अपनी पसंद का अंपायर न मिल जाए।' नियाजी के मुताबिक, इमरान का कहा है कि 'अगर किसी बड़े चोर को आजाद करना है, तो अडियाला जेल में बंद आरोपी को भी रिहा किया जाना चाहिए।'

इमरान की विधि टीम में शामिल वकील उस्मान रियाज गुल ने कहा कि उन्होंने अदालत को सूचित किया है कि भले ही अभियोग की तारीख तय हो गई हो, लेकिन गवाहों के पूरे बयान और केस मेमो प्राप्त होने तक संदिग्धों पर आरोप तय नहीं किए जा सकते।

गुल ने कहा कि अदालत ने बचाव पक्ष की आपत्तियां खारिज कर दीं और इमरान तथा कुरैशी पर आरोप तय कर दिए। उन्होंने बताया, 'पीटीआई प्रमुख और कुरैशी ने स्पष्ट किया है कि वे तब तक आरोपों पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते, जब तक कि उन्हें मामले से जुड़े सभी दस्तावेज हासिल नहीं हो जाते।' गुल ने बताया कि अडियाला जेल में व्यायाम के लिए साइकिल उपलब्ध कराने की पीटीआई प्रमुख की गुजारिश स्वीकार कर ली गई है।

एफआईए ने इमरान और कुरैशी के खिलाफ 30 सितंबर को आरोप पत्र पेश किया था। दोनों नेताओं ने इसकी प्रतियों पर दस्तखत किए थे। अदालत पहले 17 अक्टूबर को इमरान पर आरोप तय करने वाली थी, लेकिन पूर्व

प्रधानमंत्री के वकीलों की इस आपत्ति के बाद प्रक्रिया में देरी हुई कि उन्हें आरोपपत्र की प्रतियां उपलब्ध नहीं कराई गई हैं।

इमरान पांच अगस्त को तोशाखाना मामले में लाहौर से गिरफ्तार किए जाने और 29 अगस्त को जमानत मिलने के बावजूद सिफर मामले की वजह से जेल में बंद हैं। पिछले साल अप्रैल में अपदस्थ होने के बाद उनके खिलाफ 150 से ज्यादा मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आवारा कुत्तों के हमले में घायल वाघ बकरी चाय कंपनी के मालिक पराग देसाई का निधन

अहमदाबाद। गुजरात समेत देश-विदेश में विख्यात वाघ बकरी चाय कंपनी के मालिक पराग देसाई का रविवार देर शाम निधन हो गया। पराग देसाई अहमदाबाद के प्राइवेट अस्पताल में एक सप्ताह से उपचाराधीन थे। 15 अक्टूबर को मोर्निंग वॉक पर निकले पराग देसाई पर आवारा कुत्तों को झुंड ने हमला कर दिया था। इस हमले में सिर समेत शरीर पर गंभीर चोट के बाद उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में उपचार के दौरान पराग देसाई ने दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि गत 15 अक्टूबर को पराग देसाई अहमदाबाद के इस्कॉन आंबली रोड पर मोर्निंग वॉक पर घर से निकले थे। उस दौरान आवारा कुत्तों के झुंड ने पराग देसाई पर हमला कर दिया। कुत्तों के हमले के बाद पराग देसाई गिर पर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट आई। इसके अलावा कुत्तों से पराग देसाई घायल हो गए थे। गंभीर हालत में पराग देसाई के शेल्बी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन 24 घंटों के बाद तबियत बिगड़ने पर उन्हें हेबतपुर रोड स्थित अन्य एक प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट किया गया। जहां उनकी तत्काल सर्जरी भी की गई। लेकिन वह ऑपरेशन भी कारगर साबित नहीं हुआ और एक सप्ताह में पराग देसाई जिंदगी की जंग हार गए। रविवार शाम पराग देसाई ने अंतिम सांस ली। दुनियाभर में विख्यात वाघ बकरी चाय समूह की चौथी पीढ़ी पराग देसाई ने अमेरिका के न्यूयोर्क की लोंग आईलैंड यूनिवर्सिटी से एमबीए किया था। वाघ बकरी चाय ग्रुप की बिक्री, मार्केटिंग और निर्यात इत्यादि में पराग देसाई की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। 1995 में जब पराग देसाई ने कंपनी का कामकाज देखना शुरू किया तब कंपनी की वेल्यू रु. 100 करोड़ से कम थी। लेकिन पराग देसाई के जुड़ने के बाद कंपनी रु. 2000 करोड़ से अधिक के टर्नऑवर के साथ 5 करोड़ किलो ग्राम चाय का वितरण करने वाली भारत की अग्रणी पैकेज्ड चाय कंपनी बन गई है।

राज्यों में घटती चली जा रही है हिंदुओं की संख्या, घुसपैठ, धर्मांतरण और जनसंख्या विस्फोट के चलते हालात बिगड़े

नई दिल्ली। देश में कोई जातीय आधार पर जनगणना कराने की मांग कर रहा है तो कोई किसी जाति या वर्ग या धर्म के नाम पर आरक्षण की मांग कर रहा है। कोई कह रहा है भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करो तो कोई 2047 तक हिंदुस्तान को इस्लामिक राष्ट्र में तब्दील करने के अपने छिपे हुए एजेंडे के तहत काम कर रहा है। लेकिन इस सबके बीच देश की सबसे बड़ी समस्याओं घुसपैठ, धर्मांतरण और जनसंख्या विस्फोट की ओर किसी का ध्यान ही नहीं जा रहा है। यह समस्या कितनी गंभीर है इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि भारत में घुसपैठ, धर्मांतरण और जनसंख्या विस्फोट के चलते 9 राज्यों, 200 जिलों और 300 तहसीलों में हिंदुओं की संख्या बेहद कम हो गयी है या बिल्कुल नहीं है। पुणे में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत के पीआईएलमैन के रूप में विख्यात सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने जो कुछ बताया है वह बेहद चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म पर खतरा बढ़ रहा है। लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें यह समझना होगा कि हर समस्या का समाधान है। हर बीमारी का इलाज है लेकिन बीमारी की चर्चा करके बीमारी का इलाज नहीं होगा, उसकी जड़ पर प्रहार करना होगा। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि आज भारत में घुसपैठ, धर्मांतरण की समस्या गंभीर होती जा रही है जिसके चलते भारत में 9 राज्यों, 200 जिलों और 300 तहसीलों से हिंदू खत्म हो चुके हैं।

राम मंदिर में नए पुजारी होंगे नियुक्त, मांगे ऑनलाइन आवेदन

इलाहाबाद। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने नए पुजारियों की नियुक्ति के लिए इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन के लिए अंतिम तारीख 31 अगस्त है। चयनित अभ्यर्थियों को 6 माह की ट्रेनिंग दी जाएगी, उसके बाद उन्हें प्रवेश परीक्षा भी देनी होगी। दरअसल, जनवरी 2024 में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। उससे पहले ट्रस्ट की तरफ से भगवान रामलला के दैनिक श्रृंगार पूजन और भोग की व्यवस्था के लिए ने अर्चकों की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर हैं। अयोध्या क्षेत्र के अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी। प्रवेश परीक्षा के माध्यम से पुजारियों का चयन किया जाएगा। जिसके बाद 6 महीने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान अर्चकों को 2000 रुपये पार्टी माह छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ अनिल मिश्रा ने बताया कि आवेदकों की उम्र 20-30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही आवेदक ने 6 माह की श्री रामनन्दनीय दीक्षा ली हो और गुरुकुल शिक्षा पद्धति से पढ़ाई की हो। ट्रेनिंग के दौरान पुजारियों को रहने और खाने की भी व्यस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद उत्कृष्ट अर्चकों की तैनाती राम मंदिर में की जाएगी।

कर्नाटक में फिर छिड़ी हिजाब की बहस, सरकार ने छात्रों को दी सरकारी परीक्षाओं में हिजाब पहनने की अनुमति

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान हिजाब पहनने की अनुमति दे दी है। हिजाब को कुछ मुस्लिम महिलाएं सिर पर लपेटती हैं यह उनका धार्मिक प्रतीक भी माना जाता है क्योंकि मुस्लिम समुदाय में महिलाओं को हिजाब को पहनना होता है। इस अनुमति ने एक बार फिर उस विषय पर बहस फिर से शुरू कर दी है जिसने पिछले साल विवाद खड़ा किया था। हिंदू समर्थक समूहों ने कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री एमसी सुधाकर द्वारा घोषित आदेश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की धमकी दी है। इंडिया टुडे से बात करते हुए सुधाकर ने छात्रों को हिजाब पहनने की अनुमति देने के फैसले का समर्थन किया और कहा कि लोग अपनी इच्छानुसार कपड़े पहनने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक धर्मनिरपेक्ष देश है। लोग अपनी इच्छानुसार कपड़े पहनने के लिए स्वतंत्र हैं।' उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि हिजाब पहनने वाले छात्रों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम एक घंटे पहले परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होने के लिए कहा जाएगा। उन्होंने कहा, 'उनकी (छात्रों की) पूरी जांच की जाएगी। हम किसी भी तरह का कदाचार नहीं चाहते। यहां तक कि ह्श्वश्वञ्ज प्रवेश परीक्षा में भी इसकी अनुमति है।' आदेश के खिलाफ विरोध करने की धमकी देने वाले समूहों पर प्रतिक्रिया करते हुए, सुधाकर ने कहा, 'मैं इन लोगों के तर्क को नहीं समझता। यह एक चयनात्मक विरोध है। कोई किसी और के अधिकारों का उल्लंघन नहीं कर सकता। यह एक धर्मनिरपेक्ष देश है।'

आजम खान के परिवार को प्रताड़ित किए जाने का कुचक्र बेहद निंदनीय : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान और उनके परिवार के सदस्यों को अलग-अलग जेलों में भेजे जाने के सरकारी फैसले पर आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा है कि आजम खान के परिवार को जिस प्रकार प्रताड़ित किए जाने का कुचक्र चल रहा है वो बेहद निंदनीय है। सपा प्रमुख ने रविवार की शाम सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, ''माननीय आजम खान जी के परिवार को जिस प्रकार प्रताड़ित किए जाने का कुचक्र चल रहा है वो बेहद निंदनीय है। परिवार के सदस्यों को अलग-अलग (जेलों में) करना सत्ताधारियों की सियासत का पुराना चलन है और उम्र के तक़ाज़े से किसी भी हाल में जायज नहीं।इंसाफ के लिए उनके संघर्ष में हम सब साथ खड़े रहे हैं और रहेंगे।'' सपा के राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को रविवार को तड़के रामपुर जिला कारागार से क्रमशः सीतापुर और हरदोई की जेल भेज दिया गया। फर्जी जन्म प्रमाण पत्रों के मामले में 18 अक्टूबर 2023 को आजम खान, उनकी पत्नी पूर्व सांसद डॉ. तजीन फातिमा और छोटे बेटे अब्दुल आजम खान को एक अदालत ने सात-सात वर्ष कारावास की सज़ा सुनाई थी एवं 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। इसके बाद तीनों को रामपुर जिला कारागार भेज दिया गया था। आजम और अब्दुल्ला की जेलें बदली गयी हैं, हालांकि तजीन फातिमा रामपुर जिला जेल में ही रहेंगी। रामपुर जेल से निकलते समय आजम खान ने पत्रकारों से आशंका जताते हुए कहा, ''हमारा एनकाउंटर भी किया जा सकता है।'' इससे पहले समाजवादी नेता ने एक अन्य आपराधिक मामले में दो साल से अधिक समय तक सीतापुर जेल में बिताया था और उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने के बाद मई 2022 में रिहा हुए थे।

पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर गहरा दबाव चक्रवाती तूफान में बदलने का अनुमान: मौसम विभाग

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर गहरा दबाव अगले 12 घंटों के दौरान चक्रवाती तूफान में बदलने के आसार हैं। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर गहरा दबाव पिछले छह घंटों के दौरान आठ किमी प्रति घंटे की गति के साथ उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ गया है और सोमवार को पारादीप (ओडिशा) से लगभग 400 किमी दक्षिण, 550 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम दीघा (पश्चिम बंगाल) और खेपुपारा (बंगलादेश) से 690 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर केंद्रित है।

विभाग के अनुसार अगले 12 घंटों के दौरान इसके चक्रवाती तूफान में तब्दील होने और लगभग उत्तर-उत्तरपूर्व की ओर बढ़ने और खेपुपारा और चटगांव के बीच बंगलादेश तट को पार करने के आसार हैं।

आईएमडी के सूत्रों ने कहा कि चक्रवाती तूफान के लगभग उत्तर-उत्तरपूर्व की ओर बढ़ने और डीप डिप्रेशन के रूप में 25 अक्टूबर की शाम के आसपास खेपुपारा और चटगांव के बीच बंगलादेश तट को पार करने की संभावना है। इसके प्रभाव से 27 अक्टूबर तक ओडिशा के जिलों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बौछारें पड़ने के अनुमान हैं।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि ओडिशा के तटीय जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा की गतिविधि को देखते हुए परिपक्व धान की फसलों (शुरुआती से मध्यम अवधि की किस्म) और सब्जियों की कटाई पूरी की जा सकती है और सुरक्षित स्थानों पर संग्रहीत किया जा सकता है। विभाग के सूत्रों ने कहा कि 40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की तेज़

हवा चल रही है और सोमवार शाम से 50-60 किमी प्रति घंटे से लेकर 70 किमी प्रति घंटे तक की तेज़ हवा चलने के आसार हैं।

विभाग ने कहा कि 24 अक्टूबर को तूफानी हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी, जबकि 23 अक्टूबर की शाम से 24 अक्टूबर की शाम तक ओडिशा तट और उसके आसपास तूफानी हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने के आसार हैं। पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर 25 अक्टूबर तक 50-60 किमी प्रति घंटे से लेकर 70 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवा चलने की संभावना है। 23 अक्टूबर को ओडिशा तट के पास उत्तरी बंगाल की खाड़ी में 40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की तूफानी हवा चलने की संभावना है। और इसके धीरे-धीरे बढ़ने की संभावना है और 24 अक्टूबर से उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर तूफानी हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी और ओडिशा तट पर और उसके आसपास 50-60 किमी प्रति घंटे से लेकर 70 किमी प्रति घंटे की तेज हवा चलने के आसार हैं।

25 अक्टूबर तक पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर समुद्र की स्थिति बहुत उग्र हो जाएगी और 23 अक्टूबर को उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर 24 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक बहुत तीव्र हो जाएगी।

मछुआरों को सलाह दी गयी है कि वे 25 अक्टूबर तक पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी में और 23 अक्टूबर एवं 26 अक्टूबर के दौरान ओडिशा तट और उत्तरी बंगाल की खाड़ी में न जाएं एवं गहरे समुद्र में मौजूद मछुआरों को तट पर लौटने की सलाह दी गई है।

समाजवादी पार्टी ने अखिलेश यादव को बताया फ्यूचर पीएम, बीजेपी बोली- मुंगेरी लाल के हसीन सपने

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को लखनऊ में पार्टी कार्यालय के बाहर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को 'भावी प्रधानमंत्री' घोषित करने वाला एक पोस्टर सामने आने के बाद उनका मजाक उड़ाया और कहा कि किसी भी व्यक्ति को 'दिवास्वप्न' देखने से नहीं रोका जा सकता है। पार्टी ने कहा कि लोगों को अपनी क्षमता के मुताबिक सपने देखना चाहिए। यह पोस्टर चुनावी राज्य मध्य प्रदेश में सीटों के बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन सहयोगियों, सपा और कांग्रेस के बीच खींचतान के बीच आया है। यह पोस्टर सपा नेता फखरुल हसन चांद ने लगवाया है। सपा के इसी पोस्टर पर भाजपा ने पलटवार किया है। बीजेपी नेता दानिश आजाद अंसारी ने इसे 'मुंगेरी लाल के हसीन सपने' बताया। उन्होंने कहा कि दिवास्वप्न देखने से कोई किसी को नहीं रोक सकता। लेकिन व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार ही सपने देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारा देश विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। देश की जनता को पीएम मोदी पर भरोसा है और देश निश्चित तौर पर तीसरी बार पीएम मोदी को पीएम चुनेगा। चांद ने कहा कि पोस्टर का उद्देश्य समाजवादी पार्टी प्रमुख के प्रति प्यार और सम्मान व्यक्त करना था। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता चाहते हैं कि अखिलेश यादव देश के प्रधानमंत्री बनें...भारत गठबंधन में हम चाहते हैं कि अखिलेश यादव प्रधानमंत्री का चेहरा बनें। इंडिया गठबंधन के घटकों - भाजपा के खिलाफ 28 दलों का एक समूह - के बीच इस बात पर कोई सहमति नहीं है कि 2024 के आम चुनावों के लिए ब्लॉक का चेहरा कौन होगा। यादव ने कमलनाथ के नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश भाजपा पर कांग्रेस के 144 उम्मीदवारों की सूची में समाजवादी पार्टी के किसी भी नेता को जगह न देकर उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उनकी पार्टी को कम से कम चार उम्मीदवार मैदान में उतारने का आश्वासन दिया है। रविवार को कमलनाथ ने स्वीकार किया कि समाजवादी पार्टी के साथ सीटों के बंटवारे पर चर्चा हुई है।

भूपेश बघेल का बड़ा ऐलान, कांग्रेस सरकार बनने पर फिर माफ होंगे किसानों के कर्ज

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के सत्ता बरकरार रखने पर किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया है। बघेल ने राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में किसानों को निर्णायक कारक बताया था और कहा था कि उनकी सरकार ने उनके कल्याण के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। 90 सदस्यीय सदन में 75 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखने वाले बघेल को लगता है कि कांग्रेस के पक्ष में सबसे बड़ा कारक किसान हैं। उन्होंने दावा किया है कि महिलाएं, युवा और व्यवसायी भी बड़े पैमाने पर सबसे पुरानी पार्टी का समर्थन करेंगे।

भूपेश बघेल ने दो चरण के विधानसभा चुनाव से पहले कहा कि जब हम राज्य में फिर से सरकार बनाएंगे तो हम किसानों का कर्ज माफ कर देंगे। उन्होंने लिखा कि आज चौथी घोषणा हमारे किसानों को समर्पित। अभी तक हमने 4 घोषणा कर दी हैं। पूर्व की तरह इस बार भी होगा किसानों का कर्ज माफ। जातिगत जनगणना करेंगे। 20 क्विंटल/एकड़

धान खरीदेंगे। 17.5 लाख परिवार को हम आवास देंगे। पिछले चुनाव में भाजपा का सफाया हो गया था और वह केवल 15 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर थी। कांग्रेस ने 68 सीटें जीतीं। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में 7 नवंबर (20 सीटें) और 17 नवंबर (70 सीटें) को मतदान होगा।

सभी 90 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए वोटों की गिनती 3 दिसंबर को की जाएगी। भाजपा ने राज्य में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उम्मीदवारों को लेकर भूपेश बघेल ने कहा था कि वह जल्द ही होगा... हमने सारी कवायद कर ली है लेकिन बीजेपी क्यों इंतजार कर रही है। एक-एक करके सूचियां जारी कर रहे हैं, पंडरिया की सूची जारी की और अब फिर फंस गए हैं।

मोदी सरकार में अमीरों और मध्यम वर्ग के बीच खाई बढ़ी : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में अमीरों और मध्यम वर्ग के बीच खाई लगातार बढ़ रही है क्योंकि वित्त वर्ष 2019 से 2022 के दौरान सबसे अमीर लोगों की आय में जहां इजाफा हुआ तो वहीं मध्यम वर्ग की लोगों की आय घट गई। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''वर्ष 2013-14 से 2021-22 के आयकर रिटर्न के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण से 'भारत जोड़ो यात्रा' के मुख्य मुद्दों में से एक की पुष्टि होती है। बढ़ती आय असमानता का मुद्दा यात्रा के मुख्य मुद्दों में से एक था। मोदी सरकार में सबसे अमीर लोगों और मध्यम वर्ग के बीच बढ़ती खाई स्पष्ट रूप से नज़र आ रही है।' उन्होंने दावा किया कि 2013-14 में शीर्ष के एक प्रतिशत आयकरदाताओं की कमाई कुल आय का 17 प्रतिशत थी जो 2021-22 तक कुल आय का 23 प्रतिशत हो गई। रमेश ने कहा, 'इसके अलावा, सबसे अमीर लोगों की आय में बढ़ोतरी भी मध्यम वर्ग की तुलना में बहुत तेज़ी से हुई है। शीर्ष के एक प्रतिशत आयकरदाताओं की आय में 2013-14 से 2021-22 तक साल-दर-साल 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। यह निम्न वर्ग वाले 25 प्रतिशत आयकरदाताओं की आय की तुलना में 60 प्रतिशत ज़्यादा तेज़ है।' उनके अनुसार, 'वास्तव में मुद्रास्फीति के लिए समायोजन के बाद निम्न वर्ग वाले 25 प्रतिशत आयकरदाताओं की वास्तविक आय 2019 की तुलना में 2022 में घट गई है। 25 प्रतिशत सबसे निम्न वर्ग वालों की सकल आय 11 प्रतिशत घटी है। इनकी आय वित्त वर्ष 2019 में 3.8 लाख करोड़ रुपये थी जो घटकर वित्त वर्ष 2022 में 3.4 लाख करोड़ रुपये रह गई। इसी बीच, शीर्ष के एक प्रतिशत की वास्तविक आय वित्त वर्ष 2019 में 7.9 लाख करोड़ रुपये से 30 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 10.2 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई।'

दिल्ली में लगातार खराब हो रही हवा, 8 और हॉटस्पॉट की पहचान, सरकार उठा रही ये कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सोमवार को मौजूदा 13 के अलावा शहर भर में आठ और हॉटस्पॉट की पहचान की, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 का आंकड़ा पार कर गया। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि 'स्थानीय कारणों' से कई क्षेत्रों में एक्यूआई का स्तर गिरकर 'बहुत खराब' श्रेणी में आ गया है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में प्रदूषण के कारण की पहचान करने के लिए विशेष टीमें तैनात की जाएंगी। मंत्री ने यह भी कहा कि अधिकारी धूल प्रदूषण को रोकने के लिए धूल दमनकारी पाउडर का उपयोग करेंगे। दिल्ली में सोमवार सुबह एक्यूआई 309 दर्ज किया गया और कई स्थानों पर सूचकांक 333 से भी कम रहा। राय ने राष्ट्रीय राजधानी के लिए प्रदूषण नियंत्रण उपायों पर एक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली में 13 प्रदूषण हॉटस्पॉट हैं। आज, शादीपुर, मंदिर मार्ग, पटपड़गंज, सोनिया विहार और मोती बाग सहित 8 अन्य बिंदुओं पर स्थानीय कारणों से एक्यूआई स्तर 300 से ऊपर देखा गया। प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों की पहचान और निरीक्षण के लिए यहां विशेष टीमें तैनात की जाएंगी। राय ने यह भी कहा कि जिला कलेक्टरों को 25 अक्टूबर को क्षेत्र का दौरा करने और प्रदूषण शमन उपायों का सख्ती से कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने कहा कि धूल प्रदूषण को रोकने के लिए एंटी-स्मॉग गन में धूल दबाने वाले पाउडर का उपयोग करने के भी निर्देश जारी किए गए हैं। धूल विरोधी अभियान को मजबूत किया जाएगा और अधिक क्षेत्र दौरे आयोजित किए जाएंगे। प्रदूषण की चिंताओं पर बोलते हुए दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय ने कहा कि चाहे विधायक हों या पार्षद, सभी प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, '...नागरिकों को यह भी समझना होगा कि जब प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने की बात आती है तो उनका योगदान महत्वपूर्ण है।'

कृषि उत्पादों का तहसील स्तर पर निर्यात हो: अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश से खाद्य पदार्थों और जैव ईंधन के निर्यात की अपार संभावना बताते हुए सोमवार को कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए वह सहकारिता के माध्यम से तहसील स्तर पर निर्यात इकाई स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

शाह ने राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड की ओर से सहकारी निर्यात पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि दूध उत्पादों, मसाले, एथनाल और जैव उत्पादों की विश्व में भारी मांग है। सहकारिता के माध्यम से 7000 करोड़ रुपये के निर्यात का आदेश प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि साल में देश में तीन से चार फसलों की पैदावार होती है जिनमें से किसी एक फसल से जैव इंधन तैयार किया जा सकता है जिसकी विश्व स्तर पर भारी मांग है। सहकारिता क्षेत्र की कुछ चीनी मिलें एथनाल तैयार कर रही है और इसे बढावा देने की जरुरत है।

उन्होंने कहा कि देश में चीनी का जो उत्पादन होता है उसमें 30 प्रतिशत सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से आता है, जबकि दूध का 19 प्रतिशत उत्पादन होता है, लेकिन इन दोनों का निर्यात में हिस्सा क्रमशः एक से दो प्रतिशत ही है। उन्होंने कहा कि निर्यात से जो लाभ होता है उसका 50 प्रतिशत हिस्सा सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा किया जायेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि एक लाख टन चावल का निर्यात होता है तो किसानों को उसकी खरीद पर न्यूनतम समर्थन मूल्य तो दिया ही जायेगा और उससे जो लाभ होगा उसका 50 प्रतिशत किसानों के बैंक खातों में जमा किया जायेगा। इससे किसानों को

प्रोत्साहन मिलेगा और वे निर्यात योग्य सामग्री का उत्पादन करेंगे।

शाह ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से दलहन के उत्पादन में आत्मनिर्भर तथा इसके बाद उसके निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और इसका दायित्व नेफेड और एनसीएल को दिया गया है। देश से फलों के निर्यात की भी अपार संभावना है, इसके लिए विदेश में स्वाद बढ़ाने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती के लिए देश में जोरदार पहल की जा रही है और अब तक करीब 12 लाख किसान इसके तहत पंजीकृत भी कर लिए गये हैं। ऐसी उम्मीद है कि वर्ष 2027 तक लगभग दो करोड़ किसान इसकी खेती करने लगेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार सहकारिता के माध्यम से बेहतरीन बीज उत्पादन, जैविक उत्पाद और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है जिसका लाभ किसानों को मिले।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सहकारिता के ताध्यम से बड़े पैमाने पर कृषि और हस्तकरघा उत्पादों को निर्यात किया जा सकता है। विश्व में भारतीय वस्तुओं के प्रति विश्वास बढा है और उसे खरीदना चाहते हैं। मक्का से जैव ईंधन व्यापक पैमाने पर तैयार किया जा सकता है जिसकी विश्व में भारी मांग है। इससे जो लाभ होगा उसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि अभी पेट्रोल में 12 प्रतिशत एथनाल मिलाया जा रहा है और इसे आगे 20 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना है। जैव ईंधन से पर्यावरण की सुरक्षा होती है और लोग इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं।

कनाडा में भारतीय राजनयिकों को पर्याप्त सुरक्षा मिलेगी तो शुरु हो सकती है वीजा सेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि कनाडा में भारतीय राजनयिकों को पर्याप्त सुरक्षा मिलेगी तो जरुर वीजा सेवा शुरु हो सकती है। यह बात विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कही। उन्होंने बताया कि यदि भारत को कनाडा में अपने राजनयिकों की सुरक्षा में प्रगति नजर आती है तो वह कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं बहुत जल्द फिर से शुरू करने पर विचार कर सकता है। जयशंकर ने इस बात पर जोर भी दिया कि भारत का कनाडा के साथ राजनयिकों की संख्या में समानता सुनिश्चित करने का निर्णय वियना संधि के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा कुछ सप्ताह पहले वीजा सेवाओं को अस्थायी रूप से रोकने के पीछे मुख्य कारण कनाडा में अपने राजनयिकों की सुरक्षा चिंता थी और भारतीय अधिकारियों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में ओटावा की असमर्थता राजनयिक संबंधों पर वियना संधि के सबसे बुनियादी पहलू को चुनौती देती है। भारत ने राजनयिकों की संख्या के मामले में बराबरी रखने पर इसलिए जोर दिया कि इसे हमारे मामलों में कनाडाई कर्मियों के हस्तक्षेप को लेकर चिंताएं थीं। बता दें कि कनाडा ने कुछ दिन पहले भारत से अपने 41 राजनयिकों को वापस बुला लिया था।

विदेश मंत्री ने एक परिचर्चा सत्र के दौरान भारत-कनाडा संबंधों को लेकर पूछे गए एक सवाल पर कहा कि हमने इस बारे में बहुत कुछ सार्वजनिक नहीं किया है। मेरा मानना है कि समय बीतने के साथ और चीजें सामने आएंगी और लोग समझेंगे कि हमें उनमें से कई लोगों के साथ उस तरह की असुविधा क्यों थी। कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं बहाल करने के विषय पर, सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत, कनाडा में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा कर रहा है जिसके कारण सेवाओं को निलंबित किया गया था। कनाडा की इस दलील को भारत पहले ही खारिज कर चुका है कि 41 कनाडाई राजनयिकों को ओटावा वापस बुलाने संबंधी कदम राजनयिक संबंधों को लेकर वियना संधि का उल्लंघन है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि अभी संबंध कठिन दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारी दिक्कतें कनाडा की राजनीति के एक वर्ग और उससे जुड़ी

नीतियों के साथ हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि स्थिति इस संबंध में बेहतर होगी कि हमारे लोगों को राजनयिक के रूप में अपने मूल कर्तव्य का निर्वहन करने में अधिक आत्मविश्वास होगा, क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं, राजनयिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना वियना संधि का सबसे बुनियादी पहलू है। उन्होंने कहा कि अभी, कनाडा में इस तरह की कई चुनौतियां हैं कि हमारे लोग सुरक्षित नहीं हैं, हमारे राजनयिक सुरक्षित नहीं हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

वेसू में आतिशबाजी के साथ 65 फीट ऊंचे रावण का दाह संस्कार किया जाएगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मंगलवार को दशहरे के मौके पर वेसू के वीआईपी रोड निगम मैदान में 65 फीट के विशाल रावण का दहन किया जाएगा. इसके साथ ही आधे घंटे तक आतिशबाजी भी देखने को मिलेगी. इस रावण को आदर्श रामलीला ट्रस्ट के मंत्री अनिल अग्रवाल आदि की देखरेख में मथुरा के 15 कारीगरों ने बनाया है। वे पिछले 40 साल से इसी तरह सूरत आ रहे हैं। उन्होंने एक-एक हिस्से को तैयार कर एक विशाल मूर्ति बनाई है।

4.44 करोड़ रुपए की लागत से सचिन पलसाना रोड पर 20वां फायर स्टेशन बनाएगी

नगर पालिका में शामिल नये क्षेत्रों में पहला फायर स्टेशन कनकपुर में साकार होगा

उधना, रांदेर और अठवा जोन क्षेत्र में 10 और फायर स्टेशन बनाएं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर में नए इलाकों के शामिल होने के बाद नगर निगम की ओर से महत्वपूर्ण फायर स्टेशनों पर जरूरी सेवाएं मुहैया कराने की कवायद चल रही है।

हाल ही में स्थायी समिति में माजूरा फायर स्टेशन और वेसु-रुंध फायर स्टेशन के निर्माण को मंजूरी दी गई। इसके बाद नए उधना जोन यानी कनकपुर जोन क्षेत्र के लिए नए फायर स्टेशन की जरूरत के चलते सचिन-पलसाना रोड राज अभिषेक सिटी होम कनकपुर में 4.44 करोड़ की लागत से नया फायर स्टेशन बनाने की तैयारी की गई है। इसके साथ ही शहर में 10 और फायर स्टेशन बनाने की भी योजना बनाई गई है, जिसका प्रावधान भी पिछले बजट में किया गया था। 7 लाख लोगों के लिए फायर स्टेशन बहुत उपयोगी है

फायर ब्रिगेड अधिकारी के मुताबिक नए इलाकों में पहला कनकपुर फायर स्टेशन बनाया जाएगा. उसकी तैयारी कर ली गयी है. पारदी, कांडे, सचिन, कंसाड, कनकपुर सहित क्षेत्र की 7 लाख आबादी आपात स्थिति में काफी काम आएगी। वर्तमान स्थिति यह है कि जब अग्नि-दुर्घटना के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाया जाता है, तो उधना, भेस्तान से फायर फाइटर्स भेजे जाते हैं, जिन्हें पहुंचने में कुछ मिनट और लग सकते हैं, अब जब कनकपुर में ही फायर स्टेशन का एहसास हो जाएगा, तो फायर फाइटर्स वहां पहुंचेंगे। तुरंत मौके पर पहुंच सकेंगे..

सूरत में दशहरा फाफड़ा-जलेबीयों की बिक्री से पहले स्वास्थ्य विभाग ने छापेमारी की

शहर में फाफड़ा जलेबी बेचने वाले रेस्टोरेंट से सैंपल लेकर प्रयोगशाला भेजे

गुणवत्ता की जांच के लिए टीपीसी मशीन का उपयोग किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में दशहरे के दिन करोड़ों रुपये की फाफड़ा जलेबी की बिक्री से पहले आज मनपा के खाद्य विभाग ने विभिन्न दुकानों से फाफड़ा जलेबी और तेल के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं. इस सैंपल में से यदि किसी संस्था का सैंपल फेल होता है तो नगर निगम अधिकारियों द्वारा उस संस्था के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। खाने के शौकीन लोग कल दशहरे पर फाफड़ा जलेबी और अन्य फरसाण का लुत्फ उठाएंगे।

सूरत में नगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग ने शहर की विभिन्न फाफड़ा और जलेबी बेचने वाली दुकानों पर छापेमारी की.

नगर पालिका के खाद्य विभाग ने फाफड़ा जलेबी के सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं. वहीं दूसरी ओर कुछ व्यापारियों द्वारा एक ही तेल में लंग जलेबी बनाने के कारण लोगों के स्वास्थ्य को खतरा है, इस बार नगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग ने जलेबी की गुणवत्ता जांचने के लिए टीपीसी मशीन का उपयोग किया है. इस सत्यापन के दौरान दोपहर तक कोई भी अनियमितता सामने नहीं आई. अगर कोई सैंपल प्रयोगशाला में फेल हुआ तो नगर पालिका दुकानदार

मेडिक्लेम धारकों को मेयर फंड से भी मिली मदद,अब बदलेगी नीति

ढाई साल में 11 करोड़ का भुगतान,कई अनावश्यक आवेदक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नगर पालिका के महापौर कोष से गरीब-मध्यम वर्ग के लोगों को चिकित्सा व्यय में दी गई राहत का अनावश्यक आवेदक फायदा उठाने की व्यापक शिकायत के बाद महापौर ने यह नई नीति बनाने का निर्णय लिया है। सोमवार को होने वाली बैठक स्थगित कर दी गयी. पिछले ढाई वर्षों में विभिन्न फाइलों को मंजूरी देकर 11 करोड़ से अधिक की सहायता की गई है। मेयर दक्षेश मवानी ने बताया कि शिकायत थी कि मर्सिडीज में आने वाले आवेदक भी फाइल पास करा रहे थे। आय सीमा 1.50 लाख होने के बावजूद अनावश्यक आवेदक कम आय का उदाहरण देकर फायदा उठा रहे थे। फाइल पास कराने के लिए बाजार में एजेंटों की झड़ी लग गई है। ये सब बंद कर दिया जाएगा. अगले दिन नई पॉलिसी बनाकर आवेदक से शपथ पत्र लिया जाएगा। साथ ही जीवन बीमा कार्ड या मेडिकल पॉलिसी है या नहीं इसकी भी जांच की जाएगी। जिससे अनावश्यक आवेदकों पर रोक लग जायेगी। क्योंकि ये मदद आम लोगों के लिए है. जिसका अधिक प्रयोग नहीं करना चाहिए।

ढाई साल में 11 करोड़, बकाया अब 39 लाख

गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को महापौर निधि से अस्पताल में होने वाले चिकित्सा व्यय में 10 से 15 प्रतिशत की राहत दी गई है। फिलहाल नगर पालिका के पास 39 लाख रुपये शेष हैं। मेयर फंडर्स को हर साल 2 से 3 करोड़ का अनुदान मिलता है. जिसके सापेक्ष ढाई साल में 11 करोड़ से अधिक की राशि दी जा चुकी है।

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे